लखनऊ

सोमवार 23 फरवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 184

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"ज़िंदगी की असली मिठास छोटी-छोटी खुशियों में छुपी होती है जिन्हें हम अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

16 साल से कम उम्र के बच्चों के मोबाइल चलाने पर लगेगा बैन? सीएम ने कुलपतियों से मांगा सुझाव

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार राज्य में 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की एक बड़ी योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है। छात्रों में तेजी से बढ़ती सोशल मीडिया की लत और नशीली दवाओं के संपर्क में आने के खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। इस अहम मुद्दे पर राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ चर्चा की और उनसे इस प्रस्तावित प्रतिबंध पर उनकी राय मांगी है। मुख्यमंत्री ने छात्रों के व्यवहार, उनकी शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल फोन के पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कुलपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज बच्चे सोशल मीडिया के प्रति जुनूनी हो गए हैं, जो उनके सुरक्षित भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि मोबाइल के माध्यम से बच्चे नशीली दवाओं के जाल में भी आसानी से फंस रहे हैं। सीएम ने ऑस्ट्रेलिया समेत कई अन्य देशों का उदाहरण दिया, जिन्होंने पहले ही छात्रों के लिए मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने जैसे सख्त कदम उठाए हैं। सरकार का मानना है कि मोबाइल फोन के अनियंत्रित इस्तेमाल से छात्रों के आचरण पर बुरा असर पड़ रहा है। कर्नाटक सरकार अन्य देशों की तर्ज पर ही नाबालिग छात्रों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुरक्षित करना चाहती है। इसी गंभीर समस्या से निपटने के लिए कैंपस में नाबालिग छात्रों के मोबाइल इस्तेमाल पर बैन लगाने पर विचार चल रहा है।

मणिशंकर अय्यर ने जताया कांग्रेस से निकाले जाने का डर, बंगाल चुनाव से पहले ममता बनर्जी पर जताया भरोसा

कोलकाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर अपने बयानों के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं। कई बार उनके बयान पार्टी लाइन से बाहर भी चले जाते हैं। अब उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें कांग्रेस से बाहर निकालने की तैयारी हो रही है। कोलकाता में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि जहां तक मेरा सवाल है, मैं तो खुद को समझता हूं कि मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन केसी वेणुगोपाल ने ऐसा कुछ कहा है जिससे लगता है कि या तो उन्होंने तय कर लिया है कि मुझे कांग्रेस से निकालेंगे या तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि मुझे कांग्रेस से निकाल दिया है, लेकिन आज तक मुझे औपचारिक रूप में किसी प्रकार का पत्र नहीं मिला है। कांग्रेस से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि जहां तक मुझे पता है, सारी कांग्रेस तो ममता बनर्जी के पास है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेसियों के सीएम ममता बनर्जी के सपोर्ट में होने पर उन्होंने कहा कि तकरीबन सभी हैं और कुछ अधीर रंजन चौधरी जैसे छूट गए हैं। उन्हें छोड़कर तो पूरी पार्टी उस तरफ चली गई है। मैं खुद ममता दी का पहला नेशनल सेक्रेटरी था टीएमसी में। मैं यहां पार्टी में शामिल हुआ दिसंबर 1997 के अंत में, लेकिन तीन हफ्ते में मुझे पता चला कि यह पार्टी बंगालियों की है और मैं बंगाली नहीं हूं, तो ऐसे में मैं क्या करूंगा?

मन की बात में पीएम मोदी ने एआई समिट की जमकर की तारीफ, कहा- दुनिया ने देखीं भारत की अद्भुत क्षमताएं

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 131 वें एपिसोड में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें दुनिया ने भारत की अद्भुत क्षमताएं देखी हैं। उन्होंने कहा कि एआई की शक्ति के उपयोग की दिशा में यह समिट एक टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ है।

'मन की बात' कार्यक्रम के 131वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'मन की बात' देश और देशवासियों की उपलब्धियों को सामने लाने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म है। देश ने ऐसी ही उपलब्धि अभी दिल्ली में हुई 'एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान देखी।

पीएम मोदी ने कहा कि कई देशों के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इनोवेटर्स और स्टार्ट-अप सेक्टर से जुड़े लोग इस समिट के लिए भारत मंडपम में एकत्र हुए। आने वाले समय में एआई की शक्ति का उपयोग दुनिया किस प्रकार करेगी, इस दिशा में यह समिट एक टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ है।

पीएम मोदी ने शेयर किए अपने अनुभव

पीएम मोदी ने अपने अनुभव शेयर करते हुए कहा कि समिट में मुझे वैश्विक नेताओं और टेक सीईओ से मिलने का भी अवसर मिला। एआई समिट की प्रदर्शनी में मैंने वैश्विक नेताओं को ढ़ेर सारी चीजें दिखाईं। समिट में दो प्रोडक्ट ने दुनिया भर के नेताओं को बहुत प्रभावित किया।

दो प्रोडक्ट ने दुनिया को किया प्रभावित

पहला प्रोडक्ट अमूल के बूथ पर था। इसमें बताया गया कि कैसे एआई जानवरों का इलाज करने में हमारी मदद कर रही है और कैसे एआई असिस्टेंट की मदद से किसान अपनी डेयरी और जानवर का हिसाब रखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि दूसरा प्रोडक्ट हमारी संस्कृति से संबंधित था।

ये देखकर हैरत में पड़ गए दुनिया भर के लीडर्स

दुनिया भर के लीडर्स ये देखकर हैरत में पड़ गए कि कैसे एआई की मदद से हम हमारे प्राचीन ग्रंथों और हमारे प्राचीन ज्ञान को हमारी पांडुलिपियों को संरक्षित कर रहे हैं, आज की पीढ़ी के अनुरूप ढ़ाल रहे हैं। 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि प्रदर्शनी के दौरान डिस्प्ले के लिए सुश्रुत संहिता का चयन किया गया।

भारत की अद्भुत क्षमताएं देखने को मिली

देशवासियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस समिट में दुनिया को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएं देखने को मिली हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने तीन 'मेड इन इंडिया' एआई मॉडल भी लॉन्च किए। यह अपने आप में अब तक का सबसे बड़ा एआई समिट रहा है। इस समिट को लेकर युवाओं का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था।

'जो खेलता है, वही खिलता है...', 'मन की बात' के दौरान पीएम मोदी ने कनाडा टीम का क्यों किया जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रविवार (22 फरवरी) को मन की बात के 131वें एपिसोड में कहा कि इस समिट में दुनिया को AI के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएं देखने को मिली है। इस दौरान भारत ने 3 मेड इन इंडिया AI मॉडल भी लांच किए हैं। यह अपने आप में अब तक की सबसे बड़ी AI समिट रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि Al Summit में दो products ने दुनिया भर के leaders को प्रभावित किया। पहला product अमूल के booth पर था। इसमें बताया गया कि कैसे AI जानवरों का इलाज करने में हमारी मदद कर रही है और कैसे 24x7 Al assistance की मदद से किसान अपनी डेयरी और जानवर का हिसाब रखते हैं। दूसरा product हमारी संस्कृति से संबंधित था। दुनिया भर के leaders ये देखकर हैरत में पड़ गए कि कैसे AI की मदद से हम हमारे प्राचीन ग्रंथों को, हमारे प्राचीन ज्ञान को, हमारी पांडुलिपियों को संरक्षित कर रहे हैं, आज की generation के अनुरूप ढाल रहे हैं।

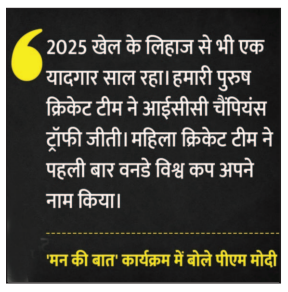

दुनिया की किन-किन टीमों में भारतीय खिलाड़ी

पीएम मोदी ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का खासतौर से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका की टीम में कई चेहरे भारत के घरेलू क्रिकेट से निकले हुए हैं। अमेरिकी टीम के कप्तान मोनांक पटेल गुजरात की under-16 और under-18 टीम के लिये भी खेल चुके हैं। मुंबई के सौरभ, हरमीत सिंह, दिल्ली के मिलिंद कुमार, ये सब अमेरिकी टीम की शान हैं। ओमान की टीम में आज कई चेहरे हैं जो पहले भारत के अलग-अलग राज्यों में खेल चुके हैं। जतिंदर सिंह, विनायक शुक्ला, करन, जय, आशीष जैसे खिलाड़ी ओमान क्रिकेट की मजबूत कड़ी हैं। इसके अलावा न्यूजीलैंड, UAE और इटली की टीमों में भी भारतीय मूल के खिलाड़ी अपनी जगह बना रहे हैं। ऐसे कितने ही भारतीय मूल के खिलाड़ी हैं जो अपने देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। वहां के युवाओं के लिये प्रेरणा बन रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह संस्कृतियों और देशों को जोड़ने का माध्यम भी बनता है। उन्होंने खास तौर पर उन खिलाड़ियों का जिक्र किया, जिनकी जड़ें भारत से जुड़ी हैं और जो विदेशों की राष्ट्रीय टीमों में खेलते हुए भी भारतीय संस्कृति और मूल्यों से प्रेरणा लेते हैं।

मेरठ से पीएम मोदी का कांग्रेस-एसपी पर तीखा हमला, बोले- पहले स्कैम होते थे, अब काम होता है

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में 'नमो भारत' ट्रेन और मेट्रो का उद्घाटन करते हुए इसे 'विकसित भारत' का प्रतीक बताया और अपनी सरकार की समय पर परियोजनाएं पूरी करने की कार्यसंस्कृति पर जोर दिया। उन्होंने बेहतर कानून-व्यवस्था, नारी शक्ति की बढ़ती भूमिका और भारत के दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बनने जैसी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली-मेरठ रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (RRTS) और मेरठ मेट्रो के उद्घाटन के दौरान एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को 'विकसित भारत' की कनेक्टिविटी का एक बेहतरीन उदाहरण बताया।

पीएम मोदी ने कहा कि आज पहली बार एक ही प्लेटफॉर्म और एक ही ट्रैक पर 'नमो भारत' ट्रेन और 'मेट्रो' दोनों चल रही हैं। उन्होंने अपनी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती या भटकती नहीं हैं, बल्कि जिस काम का पत्थर रखा जाता है, उसे समय पर पूरा भी किया जाता है। प्रधानमंत्री ने पुरानी सरकारों पर तंज कसते हुए कहा कि पहले इस रूट पर शाम होते ही सन्नाटा और डर का माहौल रहता था, लेकिन अब कानून-व्यवस्था सुधरने से यात्रा सुरक्षित हो गई है। उन्होंने गर्व से बताया कि 'नमो भारत' में ऑपरेटर से लेकर स्टेशन कंट्रोल स्टाफ तक ज्यादातर काम बेटियां ही संभाल रही हैं, जो नारी शक्ति के सामर्थ्य को दिखाता है। पीएम मोदी ने जानकारी दी कि भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क बन गया है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों की भेंट चढ़ जाते थे, लेकिन बीजेपी सरकार ने घोटालों को बंद कर देश को आत्मनिर्भरता और विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है।

टैरिफ को लेकर यूएस सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भारत का पहला बयान आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार अमेरिका में मचे टैरिफ घमासान और उसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाए गए नए और आक्रामक कदमों को लेकर पूरी तरह से सतर्क हो गई है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप की पुरानी टैरिफ नीतियों को 'अवैध' करार दिए जाने के बाद, अब केंद्र सरकार इन सभी ताजा घटनाक्रमों और भारतीय व्यापार पर पड़ने वाले इसके संभावित प्रभावों का बारीकी से अध्ययन कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर स्पष्ट किया है कि वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले और ट्रंप की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद की स्थिति की गहराई से जांच कर रहे हैं ताकि देश के निर्यात पर पड़ने वाले असर को समझा जा सके।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के कड़े फैसले के तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया दांव चलते हुए सभी देशों से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत का नया ग्लोबल टैरिफ लगाने का बड़ा ऐलान कर दिया है। ट्रंप ने इस संबंध में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस बात की जानकारी देते हुए लिखा कि उन्हें ओवल ऑफिस से सभी देशों पर वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने के आदेश पर साइन करते हुए गर्व हो रहा है। ये नए टैरिफ नियम 24 फरवरी को भारतीय समयानुसार सुबह 10:31 बजे से तत्काल प्रभाव से लागू हो जाएंगे। यह पूरा व्यापारिक विवाद शुक्रवार को तब गरमाया जब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप शांति काल के दौरान पांच दशक पुराने 'इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट' का इस्तेमाल करके इस तरह से टैरिफ नहीं लगा सकते। सुप्रीम कोर्ट के इस बड़े फैसले के बाद भारत पर लगाए गए 18 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ का कानूनी आधार पूरी तरह से खत्म हो गया था। अर्थशास्त्रियों का मानना था कि इस कानूनी बदलाव के बाद 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' दर्जे के तहत भारत पर टैरिफ घटकर महज 3.5 प्रतिशत तक आ सकता था। सुप्रीम कोर्ट से लगे इस बड़े झटके के बावजूद ट्रंप ने तुरंत एक नया कानूनी रास्ता निकाल लिया। उन्होंने अमेरिका के एक कम इस्तेमाल होने वाले कानून 'सेक्शन 122' का सहारा लेते हुए शनिवार को ही नया आदेश जारी कर दिया।

मेरठ मेट्रो और नमो भारत कॉरिडोर पर सीएम योगी बोले- ये नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में स्वर्णिम अध्याय

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली-मेरठ के बीच नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो कॉरिडोर के शुभारंभ को नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा का स्वर्णिम अध्याय बताया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेरठ दौरे को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में आज एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्रांतिधरा मेरठ में मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर नए उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा को गति प्रदान करेंगे। साथ ही आधुनिक कनेक्टिविटी के साक्षी बन रहे जनपद मेरठ को लगभग 12,930 करोड़ रुपए की अलग-अलग विकास और लोक-कल्याणकारी परियोजनाओं की सौगात प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश आगमन पर उनका स्वागत करते हुए सीएम योगी ने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री मोदी 82 किमी लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करते हुए आरआरटीएस के शेष खंडों का उद्घाटन करेंगे। यह कदम एकीकृत शहरी और क्षेत्रीय परिवहन के लिए नई मिसाल स्थापित करेगा। भाजपा के राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने भी प्रधानमंत्री मोदी के मेरठ आगमन पर उनका स्वागत किया है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 फरवरी को 82 किमी लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत रैपिड रेल कॉरिडोर का लोकार्पण और मेरठ मेट्रो कॉरिडोर का शुभारंभ करेंगे।

इस ऐतिहासिक पहल से दिल्ली-मेरठ के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी व क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण, व्यापार, निवेश और रोजगार अवसरों को नई गति मिलेगी। इससे पहले, मेरठ दौरे को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, उत्तर प्रदेश समेत देशभर में रेल कनेक्टिविटी के तेज विस्तार के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इसी दिशा में रविवार को दोपहर करीब 12:30 बजे मेरठ में देश की सबसे तेज मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन के उद्घाटन का सौभाग्य मिलेगा। इसके बाद नमो भारत रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के दूसरे खंडों के शुभारंभ के साथ ही दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करूंगा। इस दौरान कई विकास परियोजनाओं को शुरू करने का भी सुअवसर मिलेगा।

देश में नक्सलवाद अंतिम दौर में है, जल्द ही पूरी तरह समाप्त हो जाएगा : शाहनवाज हुसैन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नक्सलवाद के खात्मे संबंधी बयान का समर्थन करते हुए भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम दौर में है और केंद्र सरकार की सख्त नीति के चलते यह जल्द पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री ने स्पष्ट किया है कि घुसपैठियों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी और उन्हें भारत की धरती पर रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि घुसपैठियों को अपने देश वापस लौट जाना चाहिए, क्योंकि भारत की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि असम में भाजपा सरकार बनने के बाद नक्सलवाद को पांच साल के

एजेंडे में शामिल कर निर्णायक रूप से समाप्त करने की दिशा में काम किया जाएगा। इंडिया एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट अत्यंत सफल रहा और 'एआई फॉर ऑल के नारे के साथ संपन्न हुआ। उनके अनुसार, इस कार्यक्रम में दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ और विभिन्न देशों के प्रमुखों ने भाग लिया, जिससे वैश्विक स्तर पर भारत की मजबूत उपस्थिति दर्ज हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस महत्वपूर्ण आयोजन को विफल करने की कोशिश की। पहले राहुल गांधी विदेशों में जाकर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करते थे और अब देश के भीतर भी ऐसा ही कर रहे हैं। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और यहां तक कि एनएसए लगाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता का अर्थ देश का विरोध करना नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के इस रवैये की समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जैसे विपक्षी दलों के नेताओं ने भी निंदा की है और कांग्रेस को इस मामले में देश से माफी मांगनी चाहिए। एसआईआर प्रक्रिया पर बोलते हुए भाजपा नेता ने कहा कि यह एक आवश्यक और पारदर्शी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले कई ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची में बने रहते थे जिनका निधन हो चुका था, जिससे फर्जी मतदान की आशंका रहती थी। एसआईआर के जरिए ऐसी गड़बड़ियों को दूर किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में किसी भी वैध मतदाता का नाम नहीं हटाया गया है और इसका उद्देश्य केवल चुनावी प्रणाली को अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना है।

शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी, सांस लेने में तकलीफ के चलते पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती

पुणे, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख और दिग्गज राजनेता शरद पवार के स्वास्थ्य को लेकर एक बार फिर चिंताजनक खबर सामने आई है। लगातार कमजोरी महसूस होने और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद रविवार को उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ नेता को गंभीर खांसी की भी शिकायत है। उनकी लगातार बिगड़ती तबीयत को देखते हुए अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम उनकी सघन निगरानी कर रही है, जिससे पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में चिंता का माहौल है।

शरद पवार की बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर उनके स्वास्थ्य से जुड़ा ताजा अपडेट साझा किया है। सुप्रिया सुले ने अपने संदेश में स्पष्ट किया है कि उनके पिता को आगे की नियमित जांच और हाइड्रेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही उन्होंने समय पर इलाज सुनिश्चित करने के लिए सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का आभार भी व्यक्त किया है। परिवार के सदस्य लगातार अस्पताल में मौजूद हैं और विशेषज्ञों की टीम के संपर्क में हैं।

हाल के दिनों में यह दूसरी बार है जब शरद पवार को अस्पताल का रुख करना पड़ा है। इससे पहले 9 फरवरी को भी गंभीर खांसी और सीने में जकड़न के चलते उन्हें इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, कुछ दिनों के इलाज के बाद उनकी स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसके बाद बेटी सुप्रिया सुले उन्हें घर वापस ले गई थीं। अस्पताल प्रशासन ने तब भी इस बात की पुष्टि की थी कि उनकी प्राथमिक समस्या गंभीर खांसी ही है। अब एक बार फिर अत्यधिक कमजोरी महसूस होने के बाद उन्हें एहतियातन मेडिकल निगरानी में रखा गया है।

भतीजे के निधन और लगातार दौरों से बढ़ी थकान

हाल ही में एक दर्दनाक विमान दुर्घटना में शरद पवार के भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया था। इस दुखद घटना के बाद से ही शरद पवार मुंबई, बारामती और पुणे स्थित अपने आवासों के बीच लगातार यात्रा कर रहे थे।

गांव में जमीन गिरवी रख बरेली में बनाया घर, जोगेंद्र की हत्या से टूटा परिवार, बेटी की छूटी बोर्ड परीक्षा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली में सब्जी विक्रेता जोगेंद्र ने गांव में जमीन गिरवी रखकर शहर में घर बनवाया। बच्चों की पढ़ाई और अच्छे भविष्य के सपने देखे, लेकिन बदमाशों ने जोगेंद्र की हत्या कर परिवार की खुशियां छीन लीं। शुक्रवार रात घर में घुसे बदमाशों ने लूट के विरोध पर गोली मारकर जोगेंद्र की हत्या कर दी। उनकी पत्नी अनीता ने बताया कि हाल ही में मकान बनवाकर परिवार अपने मूल गांव आंवला के तिगरा खानपुर से यहां आया था। अनीता के घर से सटकर ही उनके भाई पीलीभीत कोतवाली में पीआरवी के हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र का भी मकान बन रहा था। यहां धर्मेंद्र ने मजदूरों का भुगतान करने की जिम्मेदारी अनीता व जोगेंद्र को ही दे रखी थी। जोगेंद्र की हत्या से परिवार

पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गांव में जमीन गिरवी रखकर बनाया घर

पुलिस ने जब जोगेंद्र के मूल गांव आंवला इलाके में जाकर जानकारी जुटाई तो पता लगा कि उसकी आर्थिक हालत अच्छी नहीं थी। परिवार बड़ा हो गया था तो खर्च पूरा करने के लिए जोगेंद्र ने शहर जाने की ठानी। पहले उन्होंने लाइन किनारे सस्ती जगह खरीदकर एक कमरा बनवाया। फिर आठ महीने से अकेले यहां रहकर सब्जी का ठेला लगाने लगे।

बदमाशों ने सीने में मारी गोली

अनीता ने पुलिस को बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब एक बजे हुई थी, जब उनका परिवार गहरी नींद में सो रहा था। वह और पति 40 वर्षीय जोगेंद्र बरामदे में तो तीन बच्चे कमरे में सो रहे थे। पालतू कुत्ते के भौंकने पर उनकी आंख खुली। छत पर खटपट हो रही थी। वह पति-पत्नी हाथ में डंडा लेकर जीने पर चढ़े तो छत से जीने में उतर रहे दो बदमाशों में से एक ने तमंचे से फायर कर दिया। गोली पति को सीने पर लगी और वह चीखते हुए जीने से नीचे बरामदे में गिर पड़े। वह खुद हड़बड़ाहट में सीढ़ियों से नीचे लुढ़क गईं। पति ने तुरंत ही दम तोड़ दिया।

रुपयों से भरा थैला ले गए बदमाश

अनीता ने बताया कि गोली लगने से पति ने तुरंत ही दम तोड़ दिया। इसके साथ ही बदमाश भी नीचे उतरे और घर में खूंटी पर टंगा थैला लेकर भाग गए। थैले में 68 हजार रुपये रखे थे। ये रुपये उनके भाई धर्मेंद्र ने अपने मकान निर्माण के लिए दिए थे। धर्मेंद्र ने मकान निर्माण में लगे मजदूरों का भुगतान करने की जिम्मेदारी अनीता व जोगेंद्र को ही दे रखी थी।

अनीता के भाई ने पुलिस पर जताया भरोसा

अनीता के भाई हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र ने बताया कि छुट्टी नहीं मिल पाती है। बहन-बहनोई की मदद से मकान बनवा रहे थे। हाल ही में उन्हें सरिया, सीमेंट व मजदूरों को देने के लिए 68 हजार रुपये दिए थे। बहनोई ने कितने खर्च किए और कितने बचे, वह नहीं जानते। उन्होंने भरोसा जताया कि पुलिस सही खुलासा करेगी।

परिवार ने ठेकेदारों-मजदूरों पर शक जताया

एक सब्जी विक्रेता के घर को केवल लूट के लिए निशाना बनाने की बात अधिकारियों से लेकर स्थानीय लोगों के भी गले नहीं उतर रही। इस दौरान अनीता और उनके परिजनों ने यह कहकर भी चौंका दिया कि इसमें भाई धर्मेंद्र के घर काम कर रहे मजदूरों व ठेकेदार राजू का हाथ है। संदेह जताया कि इसी थैले से रुपये निकालकर उनका हिसाब किया गया था। शुक्रवार को दिन में कभी पानी पीने तो कभी किसी और बहाने से ये लोग उनके घर में आए थे। उन्हें पता था कि रुपये कहां रखे हैं, इसलिए जाते वक्त वह थैला उठा ले गए।

शरीर में मिले छर्रे, ज्यादा खून बहने से हुई मौत

जोगेंद्र के शव के पोस्टमॉर्टम के दौरान हृदय, पेट, सीने पर कई जगह छर्रे लगे मिले। शरीर से खून ज्यादा बहने और हेमरेज शॉक से मौत होने की बात स्पष्ट हुई। घुटनों में भी चोट लगी मिली। जोगेंद्र की पत्नी के भी पैरों में चोट लगी थी और वह ठीक से चल नहीं पा रही थीं।

बेटी की छूटी बोर्ड परीक्षा

जोगेंद्र के चार बच्चों में सबसे बड़ी नीलम 17 साल की है और गांव में ही रहकर यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा दे रही है। पिता की हत्या की बात सुनी तो वह सुबह की पाली का पेपर देना भूलकर रोती हुई शहर चली आई। वह चीखकर कह रही थी कि मेरे पापा ने किसी का क्या बिगाड़ा था जो उनकी हत्या कर दी गई। जोगेंद्र के दो बेटे 14 साल का अरुण, 12 साल का भूपेंद्र मायूस दिखे। आठ साल की बेटी मधु भी सुबक रही थी। पत्नी अनीता बार-बार बेहोश हो रही थीं।

ग्राम पंचायत भवन में नहीं बैठते कर्मचारी, ग्रामीण परेशान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

ब ल दी रा य / सु ल ता न पु र। विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में बने पंचायत भवनों में कर्मचारियों के नियमित रूप से न बैठने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समय S I R कार्य हर ग्राम पंचायतों में चल रहा है छोटे-छोटे कार्यों के लिए भी उन्हें ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है, जबकि हर तरह की सुविधा ग्राम पंचायत सचिवालय से मिलनी चाहिए इस समय परिवार रजिस्टर एक मूल दस्तावेज के रूप में प्रयोग में लिया जा रहा है जिसमें ब्लॉक कर्मचारियों द्वारा मोटी रकम वसूली जा रही है। जिससे समय और धन दोनों की हानि हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि लाखों रुपये की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवनों में पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध होने के बावजूद वहाँ कोई कर्मचारी कार्य करने के लिए उपस्थित नहीं रहता। सरकार की मंशा थी कि पंचायत भवनों को गांव के विकास की गतिविधियों का केंद्र बनाया जाए और आय, जाति, निवास तथा मृतक प्रमाण पत्र जैसी आवश्यक सेवाएँ स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध कराई जाएँ। किंतु कर्मचारियों की उदासीनता के कारण ये भवन निष्प्रयोज्य साबित हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि विकासखंड स्तर पर भी इस समस्या के समाधान के प्रति अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ग्राम पंचायतों से संबंधित सभी कार्यक्रम और जनसेवाएँ पंचायत भवनों से ही संचालित हों, ताकि ग्रामीणों को योजनाओं और सुविधाओं का समुचित लाभ मिल सके। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से हस्तक्षेप कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

यूपी चार कत्ल और सुसाइड : पति–पत्नी और बच्चों की लाशें देख फट पड़ा कलेजा, अंतिम संस्कार में रो पड़ा पूरा गांव

आर्यावर्त संवाददाता

कासगंज। कासगंज के अमांपुर के एक परिवार के पांच लोगों के शव एक घर में मिले थे। दिल दहलाने वाली घटना पर मौके पर पहुंची पुलिस के मुताबिक घर के मुखिया ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की जान लेने के बाद फंदे पर लटकर अपनी जान दे दी। रविवार सुबह पांचों के शव गांव पहुंचे तो कोहराम मच गया।

अमांपुर में गुप्ता पेट्रोल पंप के पास एक मकान में वेल्डिंग का काम करने वाले 50 वर्षीय सत्यवीर परिवार के साथ रहते थे। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि 8 साल से गैस वेल्डिंग का काम करने वाला सत्यवीर आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसके पिता नेम सिंह गांव में ही चक्की चलाते हैं। डीआईजी प्रभाकर चौधरी ने बताया कि वेल्डिंग का काम करने वाले सत्यवीर ने पहले अपने तीनों

बच्चों को जहर देकर मारा, फिर चाकू से पत्नी का गला रेता। उसके बाद खुद फंदा लगा लिया। इस घटना के बाद पूरे कस्बे में सनसनी फैल गई।

पड़ोसियों और परिजन से बातचीत के बाद डीआईजी प्रभाकर चौधरी ने बताया कि इस वारदात के पीछे प्रथम दृष्टया आर्थिक तंगी का कारण सामने आया है। परिवार के लोगों की मौत तीन दिन पहले हुई है। घटना से पहले मृतक मुखिया ने घर के दरवाजे अंदर से बंद कर लिए और एक दरवाजे पर ताला भी लगा दिया।

घटना में सत्यवीर, उसकी पत्नी रामश्री (40), उसकी बड़ी बेटी प्राची (14), आकांक्षा (13) एवं बेटा गिरीश (10) के शव पुलिस ने बंद घर से बरामद किए। शनिवार शाम साढ़े छः बजे बंद घर में परिवार के मुखिया सत्यवीर व अन्य परिजनों के मृत होने की सूचना पुलिस मिली। पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। चूंकि घर अंदर से बंद था इसलिए पुलिस प्रवेश नहीं कर सकी। इस पर एसपी ने फॉरेंसिक टीम व डॉग स्क्वायड को मौके पर भेजा और वीडियोग्राफी कराकर बंद मकान का दरवाजा कटवाया। घर के अंदर सत्यवीर का शव छत के कुंदे पर साड़ी के फंदे पर लटका मिला जबकि पत्नी रामश्री का शव दूसरे स्थान पर पड़ा हुआ था उसके गले पर निशान भी पाया गया। दोनों बेटी और बेटे के मुंह से झाग निकल रहे थे। बड़ी बेटी प्राची के मुंह से खून भी निकला था। पुलिस के मुताबिक विषाख्त पदार्थ खिलाकर बच्चों की जान ली। पड़ोसियों ने बताया कि सत्यवीर आर्थिक तंगी से जूझ रहा था और उसका घर भी इस तरह की गवाही दे रहा था। उसके घर का चूल्हा बुझा पड़ा था। आस पास बर्तन भी दिखाई नहीं दिए। वहीं कुछ लोगों ने यह भी बताया कि सत्यवीर के बेटा गिरीश पिछले काफी समय से बीमार चल रहा था। जिसके कारण न वह धंधा कर पा रहा था और वह आर्थिक बोझ से दबा हुआ था। पोस्टमार्टम के बाद रविवार को शव अमांपुर के गांव नगला भोजराज पहुंचे तो चीत्कार मच गया। शवों को फकौता कंपोजिट विद्यालय के पास एक आम के बाग में रखवाया गया। गांव में शव पहुंचने की सूचना पर बड़ी संख्या ग्रामीण जुट गए। फाकोता, टिकुरिया, नगला गुलरिया समेत आसपास के गांवों से भी लोग पहुंच गए। तीन बच्चों के शवों को खेत के पास तालाब के किनारे जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफनाया गया। वहीं सत्यवीर और उसकी पत्नी रामश्री के शव का अंतिम संस्कार किया गया। दृश्य देख हर किसी की आंखें नम हो गईं।

कबाड़ में शिक्षा का सौदा : 15,593 सरकारी किताबें गायब, जांच में हर रोज नए खुलासे, कार्रवाई की जद में कई अफसर

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। यूपी के बहराइच में सरकारी किताबें कबाड़ी को बेचने के मामले में हर दिन नए तथ्य सामने आ रहे हैं। अब जांच में यह बात लगभग साफ हो गई है कि बेसिक शिक्षा विभाग के भंडार गृह से करीब 15,593 किताबें नदारद हैं। बड़ा सवाल यह है कि कबाड़ी की दुकान पर मिलीं किताबें क्या इसी गोदाम की थीं या फिर किसी और जगह से लाई गई थीं। इसी बिंदु पर जांच अब भी उलझी हुई है।

16 फरवरी को मुरादाबाद का एक ट्रक लखीमपुर की ओर से बहराइच लाया गया था। जानकारी मिली कि उसमें परिषदीय विद्यालयों की लाखों रुपये की किताबें भरी थीं। मामला सामने आते ही जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने जांच समिति गठित कर दी। जांच में पाया गया कि जिला मुख्यालय स्थित पुस्तकों के भंडार गृह में किताबों की सही तरीके से रिसीविंग नहीं की गई थी और न ही सुरक्षा का

समुचित इंतजाम था।

संविदा समाप्त कर दी गई

गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद अनुचर आलोक कुमार और शफीक अहमद को निलंबित कर दिया गया। साथ ही अनुदेशक अतुल कुमार सिंह, सामुदायिक सहभागिता समन्वयक आशुतोष सिंह और स्पेशल एजुकेटर दीपक कुमार की संविदा समाप्त कर दी गई। प्रभारी सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी वीरेश कुमार वर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी नगर डाली मिश्रा और खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय रंजीत कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ है कि 15,593 किताबें भंडार गृह से नदारद हैं। इससे विभागीय अधिकारी सकते में है। अब यह भी जांच का विषय है कि ट्रक पर लदीं किताबें बहराइच की थीं या किसी अन्य जिले से लाई गई थीं। इस मामले में बीएसए आशीष सिंह का कहना है कि गायब किताबों का सत्यापन किया जा रहा है।

कार्रवाई की जद में आ सकते हैं कई और...

लेखाधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारियों का कहना है कि उन्हें सुरक्षा एवं संरक्षण समिति में शामिल किए जाने की कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई थी, इसलिए वे जिम्मेदारी से खुद को अलग बता रहे हैं। हालांकि जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी स्वयं पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। ऐसे में संभावना है कि जांच आगे बढ़ने पर कुछ और जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

कबाड़ी और ट्रक चालक को खोजने में पुलिस बेहाल

सरकारी किताबों की खरीद-फरोख्त के आरोपी कबाड़ी दिलशाद और मुरादाबाद के ट्रक चालक 16 फरवरी से लापता हैं। पुलिस ने उनकी तलाश में तीन टीमें गठित की हैं। रामगांव थानाध्यक्ष गुरुसेन सिंह का कहना है कि पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं, लेकिन दोनों का अब तक सुराग नहीं लग सका है। उन्होंने कहा कि सर्विलांस टीम का भी सहारा लिया जा रहा है।

दिल्ली मैराथन में डॉ. सुप्रीत वर्मा का कीर्तिमान, बढ़ाया मान

सुल्तानपुर। जनपद के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का विषय है कि प्रसिद्ध सर्जन डॉ. सुप्रीत वर्मा ने नई दिल्ली मैराथन में रिकॉर्ड समय में दौड़ पूरी कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल चिकित्सा जगत बल्कि पूरे सुल्तानपुर जनपद का नाम रोशन हुआ है। नई दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित मैराथन में देश-विदेश से हजारों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा और चुनौतीपूर्ण मार्ग के बीच डॉ. सुप्रीत वर्मा ने अद्भुत सहनशक्ति, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए निर्धारित दूरी को रिकॉर्ड समय में पूरा किया। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। डॉ. सुप्रीत वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अभ्यास, संतुलित जीवनशैली और माता पल्लवी वर्मा एवं पिता सुप्रसिद्ध फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर आर ए वर्मा परिवार के सभी लोगों तथा शुभचिंतकों के सहयोग को दिया।

संदेश फाउंडेशन के बैनरतले वृद्धजनों को बांटी खाद्य सामग्री और फल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। संदेश फाउंडेशन के द्वितीय स्थापना दिवस पर वृद्धाआश्रम एंव वनवासी आश्रम में सेवा भाव के साथ द्वितीय स्थापना दिवस मनाया गया। संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष एंव पदाधिकारियों ने वृद्धजनों से आशीर्वाद लिया। साथ ही सभी वृद्धजनों को खाद्य सामग्री एवं फल बांटे। संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप यादव(पत्रकार) ने कहा कि जरूरतमंदों को उचित समय पर हर प्रकार की सेवा देने के लिए संदेश फाउंडेशन कृत संकल्पित है।यह संगठन हमेशा असहाय एंव जरुरतमंदों की सेवाओं और उनकी व्यवस्थाओं की सुविधा देना हम सभी का कर्तव्य हैं।संगठन समय समय पर जरूरतमंदों को भोजन,फल वितरण एंव वस्त्र वितरण का कार्यक्रम लगाकर अपने सेवा देता रहता हैं। संदेश फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर केक काटकर खुशी का इजहार किया। श्री यादव ने

कहा कि प्रत्येक सदस्य संगठन में समर्पण और सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहते है। खाद्य सामग्री एवं फल वितरण में जिला पंचायत सदस्य हंसराज यादव,राजेश यादव ,डाक्टर सुरेश यादव ,दिनेश यादव शिक्षक, राजेश बाबा पत्रकार, ज्ञान सिंह यादव,डाक्टर राम मूरत प्रजापति, पवन यादव ,देवेश यादव,गगनदीप सिंह सरदार, अंकित यादव ,दीपू यादव ,राम सूरत यादव ,मनोज यादव , अजीत यादव अज्जू फौजी सहित इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा। संदेश फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप यादव ने सभी का आभार जताया और इसीतरह सहयोग की अपील की। सहयोगी गण सर्जन डॉ० संत बहादुर यादव, वरिष्ठ समाजसेवी राकेश वर्मा,मनोज यादव, संदीप यादव, श्रीश्याम यादव, मनीष यादव, रामकुमार यादव, मनीष यादव, सुरेन्द्र यादव शिक्षक,विवेक यादव, प्रदीप यादव,दीप चंद्र यादव, मीडिया प्रभारी विनोद यादव एवं आदि लोग किया।

योजनाएं सभी के लिए है उसके क्रियान्वयन के लिए ही कार्यक्रम आयोजित है : जिला जज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। दीवानी न्यायालय परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित बृहद विधिक साक्षरता/ सेवा शिविर में मौजूद जनमानस को संबोधित करते हुए जिला जज संतोष कुमार चतुर्थ ने मौजूद जनमानस को संबोधित करते हुए कहा कि देश में सभी व्यक्तियों के लिए योजनाएं हैं जिसका क्रियान्वयन कार्य पालिका करती है। कहा कि जनमानस तक पहुंचाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अपने उद्बोधन में जिला जज ने यह भी कहा कि पिछड़े पायदान पर निवास करने वाले व्यक्तियों को सभी तरह का लाभ मिले इसी के लिए इस शिविर का आयोजन राष्ट्रीय व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर किया गया है। यह शिविर न्याय पालिका व कार्यपालिका के सहयोग से आम जनमानस को लाभ देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जन्मश को यदि योजनाओं के लाभ लेने में कोई दिक्कत आवे तो दीवानी न्यायालय कैंपस में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अपनी शिकायत दर्ज कराएं उसका निराकरण हो जाएगा।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुक्ता त्यागी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ जिला जज संतोष कुमार चतुर्थ के द्वारा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कराया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय अपर जनपद न्यायाधीश, पुलिस अधीक्षक चारू निगम व जनपद की न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे । राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित इस बृहद विधिक साक्षरता/ सेवा कार्यक्रम में हजारों की संख्या में जनमानस ने सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की देखरेख करने वाले लगभग दो दर्जन से अधिक विभागों की ओर से स्टाल लगाए गए थे। इन स्टालो पर जनपद के सुदूर इलाकों से पहुंचे जनमानस ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जाना और अपना पंजीकरण कराया। विभागों की ओर से पंजीयन के पश्चात सुगमता से संचालित हो रही योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। जिनको जिला जज संतोष कुमार ने प्रमाणपत्र भी दिए।

कार्यक्रम में मौजूद पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने सरकार की ओर से चल रही पुलिस विभाग में योजनाओं के बारे में उनके सुरक्षा को लेकर बताया कहा कि महिलाओं के लिए सरकार द्वारा उनके संरक्षण के लिए जो भी सुविधाएं हैं उनको दिलाने में पुलिस विभाग सदैव तत्पर है।

15 स्टेशनों पर कब आएगी पहली और आखिरी नमो भारत ट्रेन? मेरठ मेट्रो के भी 13 स्टेशनों का देखें पूरा टाइम–टेबल

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के बाकी हिस्से और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही 82.15 किमी लंबा पूरा हाई-स्पीड कॉरिडोर जनता के लिए चालू हो जाएगा। अभी इस कॉरिडोर का 55 किमी का हिस्सा चालू है।

करीब 82.15 किलोमीटर (70 किमी एलिवेटेड और 12 किमी भूमिगत) लंबाई वाली नमो भारत और मेरठ मेट्रो परियोजना लगभग 30,274 करोड़ रुपये में तैयार हुई है। इससे मेरठ के अलावा आसपास के जिलों के लोगों को लाभ मिलेगा। मेरठ से दिल्ली पहुंचाना आसान हो जाएगा।

अभी तक रैपिड ट्रेन दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक संचालित की जा रही थी। अब यह

मेरठ मोदीपुरम से दिल्ली के सराय काले खां तक संचालित की जाएगी। करीब 82 किमी की इस दूरी की यात्रा के लिए लोगों को करीब 213 रुपये चुकाने होंगे।

वहीं, मेरठ में मेट्रो का संचालन पहली बार होने जा रहा है। करीब 23 किलोमीटर लंबे रूट पर चलने वाली मेट्रो का किराया अभी घोषित नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री के दौरे के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। दिल्ली रोड पर यातायात के मार्ग में बदलाव किया गया है। रैली स्थल के पास ही वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

मेरठ मेट्रो और नमो भारत का टाइम-टेबल

मेरठ की सड़कों का बोझ कम होने वाला है। मेरठ मेट्रो और नमो भारत का सफर शुरू हो रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए हर स्टेशन के लिए पहली और आखिरी ट्रेन का समय भी तय कर दिया गया है। मोदीपुरम से मेरठ साउथ के बीच डाउन लाइन पर पहली मेरठ मेट्रो मोदीपुरम स्टेशन से सुबह 06:06 बजे रवाना होगी। वहीं आखिरी मेट्रो रात 10:06 बजे चलेगी। इसी तरह मेरठ साउथ से मोदीपुरम की ओर अप लाइन पर पहली ट्रेन मेरठ साउथ से सुबह 06:10 बजे और आखिरी ट्रेन रात 10:02 बजे मिलेगी। वहीं सराय काले खां से मोदीपुरम तक अप लाइन पर नमो भारत की पहली ट्रेन सराय काले खां से सुबह 06:00 बजे और आखिरी ट्रेन रात 10:00 बजे मिलेगी। जबकि मोदीपुरम से सराय काले खां डाउन लाइन पर पहली मोदीपुरम से ट्रेन सुबह 06:01 बजे और आखिरी ट्रेन रात 10:01 बजे मिलेगी।

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 से निवेश, रोजगार और निर्यात को नई गति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तेजी से एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति–2023 के माध्यम से निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने और निर्यात क्षमता में वृद्धि के साथ किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। खाद्य प्रसंस्करण विभाग सुदृढ़ नीति ढांचे और पारदर्शी व्यवस्था के साथ इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सक्रिय है।प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के अंतर्गत लगभग 3.50 लाख खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित एवं संचालित हैं, जबकि संगठित क्षेत्र में 80 हजार से अधिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। इनमें से 3000 से अधिक इकाइयों का वार्षिक कारोबार 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक है। यह क्षेत्र लगभग 2.55 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान कर रहा है। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक जनपद में 1000 नई इकाइयों की स्थापना कर 75 हजार अतिरिक्त इकाइयाँ जोड़ना है, जिससे कुल संख्या लगभग 1.40 लाख तक पहुँचाई जा सके। राज्य में 15 कृषि-खाद्य प्रसंस्करण पार्क भी विकसित किए जा रहे हैं, जो समूह आधारित औद्योगिक विकास को गति देंगे।प्रदेश में निजी निवेश के माध्यम से बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित की जा रही हैं। इनमें Nestlé का ग्रेटर नोएडा स्थित संयंत्र, Haldiram's की इकाइयाँ नोएडा और लखनऊ में, Parle Products का बहेरी स्थित संयंत्र तथा Mother Dairy की वाराणसी इकाई प्रमुख हैं। हल्दी, आम, आँवला, मिर्च, नमकीन तथा दुग्ध प्रसंस्करण पर विशेष बल दिया जा रहा है, जिससे उत्तर प्रदेश प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में अग्रणी राज्य के रूप में उभर रहा है।नीति के अंतर्गत नई खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को परियोजना लागत का 35 प्रतिशत, अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। विस्तार, आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के लिए 35 प्रतिशत, अधिकतम 1 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध है। मूल्य संवर्धन एवं शीत श्रृंखला अवसंरचना के लिए संयंत्र एवं मशीनरी पर 35 प्रतिशत तथा शीत भंडारण सुविधा पर 50 प्रतिशत, अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापना पर महिला उद्यमियों को 90 प्रतिशत और पुरुष उद्यमियों को 50 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। निर्यात को प्रोत्साहन देने हेतु परिवहन लागत पर 25 प्रतिशत सहायता, शीत परिवहन वाहन और चलित इकाइयों के लिए पाँच वर्ष तक ब्याज सहायता, अधिकतम 50 लाख रुपये, कृषि प्रसंस्करण समूहों पर 35 प्रतिशत, अधिकतम 10 करोड़ रुपये तथा खेत स्तर अवसंरचना पर 35 प्रतिशत, अधिकतम 5 करोड़ रुपये की सहायता दी जा रही है।

जनहानि के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार का चाइनीज मांझे के खिलाफ प्रदेशभर में अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बीते दिनों प्रदेश में चाइनीज मांझे से जनहानि के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार बेहद गंभीर हो गई। सीएम योगी आदित्यनाथ अधिकारियों के साथ लगातार बैठक की और चाइनीज मांझे से मौत के मामले में पुलिस को भी हत्या का केस दर्ज करने का निर्देश दिया था।

मुख्यमंत्री से निर्देश मलने के बाद पुलिस ने किसी भी प्रकार के माझां के निर्माण, भंडारण और सिंथेटिक, शीशा लेपित नायलान पतंग डोरी की बिक्री पर रोक को लेकर पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। यह कार्रवाई उच्च न्यायालय, एनजीटी, उत्तर प्रदेश शासन और पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के अनुपालन में की गई। विगत सप्ताह चलाए गए इस अभियान के दौरान व्यापक स्तर पर छापेमारी और जांच

की गई।

अभियान के तहत प्रदेशभर में कुल 117 गोदामों और 11,899 दुकानों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान भारी मात्रा में अवैध सिंथेटिक मांझा और शीशा लेपित नायलान पतंग डोरी बरामद की गई। बरामद सामग्री का अनुमानित मूल्य 1,93,960 रुपये बताया गया है। पुलिस ने जब्त मांझे को नियमानुसार कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

14 मुकदमे दर्ज, 13 आरोपी गिरफ्तार

विशेष अभियान के दौरान कुल 14 अभियोग पंजीकृत किए गए। दर्ज मामलों में 13 व्यक्ति नामजद किए गए, जबकि एक अन्य आरोपी प्रकाश में आया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस मुख्यालय की ओर से प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों/पुलिस अधीक्षकों को अवैध मांझे की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित कराने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को नियमित रूप से बाजारों की निगरानी और औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

गोधन समागम में जुटेगा विशेषज्ञों और गोपालकों का मेला, गोवंश संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर होगा मंथन

लखनऊ। उप्र दुग्धशाला विकास विभाग की ओर से सोमवार को गोधन समागम–2026 का आयोजन किया जाएगा। इसमें वित्तीय वर्ष 2024–25 के गोकुल पुरस्कार के लिए 63 एवं नंद बाबा पुरस्कार के लिए चयनित 49 लाभार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही निराश्रित गोवंश के संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाली गोशालाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स सभागार में दुग्ध विकास, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह पुरस्कार प्रदान करेंगे। दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के .जी . ने बताया कि गोधन समागम–2026 में गोकुल एवं नंद बाबा पुरस्कार के चयनित लाभार्थी तथा प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को गोपालन से संबंधित विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वदेशी नस्ल के गोपालन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गोपालन से सम्बन्धित विषयों पर विचार–विमर्श एवं जानकारी दी जायेगी। प्रथम सत्र में गोधन प्रदर्शनी, नंद बाबा व गोकुल पुरस्कार वितरण, दुग्ध उत्पादन की तकनीकों पर प्रस्तुतिकरण, उत्कृष्ट निराश्रित गोआश्रय स्थलों, गोशालाओं को सम्मानपत्र तथा डी0बी0टी0 के जरिए पुरस्कार धनराशि का वितरण किया जाएगा।

० संक्षेप ०

खैराबाद–सीतापुर रेल खंड पर समपार संख्या–71 स्पेशल बंद रहेगा, 24 से 25 फरवरी तक मार्ग रहेगा बाधित

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल प्रशासन ने आम जनमानस को सूचित किया है कि लखनऊ मण्डल के खैराबाद–सीतापुर रेल खंड के मध्य स्थित समपार संख्या–71 स्पेशल पर रेलवे ट्रैक की ओवरहॉलिंग एवं अनुरक्षण कार्य किया जाना प्रस्तावित है। रेलपथ की संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने तथा सुरक्षित रेल संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्य किया जा रहा है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 फरवरी 2026 को प्रातः 08:00 बजे से 25 फरवरी 2026 को प्रातः 06:00 बजे तक खैराबाद से लहरपुर की ओर जाने वाला मुख्य सड़क मार्ग पूर्णतः बाधित रहेगा। इस अवधि में उक्त समपार से होकर किसी भी प्रकार का आवागमन संभव नहीं होगा। प्रशासन द्वारा बताया गया है कि यातायात के सुचारु संचालन हेतु वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध रहेंगे, जिनका उपयोग कर आमजन अपने गंतव्य तक पहुंच सकते हैं।मण्डल प्रशासन ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि निर्धारित समयावधि में वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें और रेलवे द्वारा किए जा रहे संरक्षा संबंधी कार्य में सहयोग प्रदान करें। प्रशासन ने संभावित असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि यह अस्थायी प्रतिबंध दीर्घकालिक सुरक्षा और बेहतर रेल संचालन की दिशा में आवश्यक कदम है।

लखनऊ में 26 फरवरी को रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में रक्तदान शिविर, केजीएमयू की विशेषज्ञ टीम देगी मार्गदर्शन

लखनऊ। खालाबाजार स्थित रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में गुरुवार 26 फरवरी 2026 को लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज की ओर से एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के सफल संचालन एवं मार्गदर्शन के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम उपस्थित रहेगी। अब तक लगभग 60 लोगों ने रक्तदान के लिए अपना पंजीकरण करा लिया है।समाज के संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी तथा महामंत्री प्रदीप रस्तोगी ने बताया कि शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय हरिश्चंद्र वंशीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने का आह्वान किया है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र पिछले 17 वर्षों से समाज को नि:शुल्क चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। यहां प्रतिदिन योग्य चिकित्सकों द्वारा लगभग 300 मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया जाता है। मरीजों को तीन दिन की एलोपैथिक तथा सात दिन की होम्योपैथिक दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। केंद्र में एक ही छत के नीचे एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, फिजियोथेरेपी, न्यूरोपैथिक, नेत्र एवं दंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही डिजिटल एक्स-रे एवं ईसीजी की भी व्यवस्था है। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को यहां विशाल नि:शुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच कर परामर्श देते हैं।लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज लंबे समय से शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सामाजिक, साहित्यिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। शैक्षणिक क्षेत्र में एक प्रोफेशनल डिग्री कॉलेज सहित दस विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। रस्तोगी स्किल डेवलपमेंट एवं स्टार्टअप कमेटी के माध्यम से छात्रों को छात्रवृत्ति देकर उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत मूलचंद रस्तोगी औषधालय, हरिओम सेवा केंद्र और रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के माध्यम से समाज को निरंतर सेवाएं दी जा रही हैं।

उत्तर प्रदेश को विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में मंत्री नंदी का सिंगापुर और जापान दौरा

लखनऊ। लखनऊ से उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सिंगापुर और जापान की चार दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना होंगे। इस यात्रा का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को भारत का प्रमुख विनिर्माण केंद्र तथा एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लक्ष्य को गति देना है।मंत्री नंदी विशेष विमान से मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ सिंगापुर के लिए प्रस्थान करेंगे। 23 और 24 फरवरी को सिंगापुर प्रवास के दौरान वहाँ एक भव्य निवेश प्रोत्साहन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री और मंत्री नंदी प्रमुख औद्योगिक समूहों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और निवेशकों के साथ शासन से व्यापार संवाद तथा गोलमेज बैठकें करेंगे। इन बैठकों के माध्यम से वे निवेशकों को उत्तर प्रदेश में उपलब्ध औद्योगिक संभावनाओं, स्थिर नीतिगत वातावरण और उन्नत आधारभूत संरचना से अवगत कराते हुए निवेश के लिए आमंत्रित करेंगे।सिंगापुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री और मंत्री नंदी वहाँ के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से भी भेंट करेंगे। साथ ही वे एस्प्लेनेड पार्क स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस और आज़ाद हिंद फौज के स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, जिसकी आधारशिला वर्ष 1945 में नेताजी द्वारा रखी गई थी। प्रवास के दौरान भारतीय प्रवासी समुदाय से भी संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। विभिन्न वैश्विक कंपनियों के साथ आँकड़ा केंद्र अवसंरचना, कृषि व्यवसाय, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सेवाओं तथा परिवहन एवं भंडारण तंत्र जैसे क्षेत्रों में निवेश संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। लगभग 25 प्रमुख कंपनियों के प्रतिनिधियों से अलग-अलग बैठकें प्रस्तावित हैं।24 फरवरी को प्रतिनिधिमंडल जापान की राजधानी टोक्यो के लिए रवाना होगा। टोक्यो प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री और मंत्री नंदी एदोगावा स्थित गांधी पार्क में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। 25 और 26 फरवरी को जापान में विभिन्न प्रमुख औद्योगिक कंपनियों के साथ बैठकें आयोजित होंगी। इनमें वाहन निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनियाँ कुबोटा और सुजुकी, अर्धचालक क्षेत्र की कंपनी टोक्यो इलेक्ट्रॉन तथा इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी तोशिबा सहित अन्य औद्योगिक समूह शामिल हैं। इन बैठकों में उत्तर प्रदेश में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना, तकनीकी सहयोग और दीर्घकालिक निवेश पर विचार-विमर्श किया जाएगा।मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर है।

आल इंडिया बैठक में संगठन मजबूती व राजनीतिक हालात पर मंथन, बहुजन मिशन को आगे बढ़ाने का आह्वान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की चार बार रहीं मुख्यमंत्री मायावती की अध्यक्षता में 22 फरवरी 2026 को लखनऊ स्थित पार्टी के केंद्रीय कैंप कार्यालय (12, माल एवेन्यू) में आयोजित ऑल इंडिया बैठक में संगठन की मजबूती, सर्वसमाज में जनाधार विस्तार, आर्थिक सहयोग और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर व्यापक समीक्षा की गई। यह बैठक 7 फरवरी 2026 को उत्तर प्रदेश में हुई बड़ी बैठक के बाद आयोजित की गई, जिसमें दिए गए दिशा-निर्देशों की राज्यवार प्रगति रिपोर्ट भी ली गई।बैठक में देश के विभिन्न महत्वपूर्ण राजनीतिक मुद्दों, उनसे जुड़े घटनाक्रमों और संसद में हुए टकराव व गतिरोध पर गहन चर्चा की गई। साथ ही ज्वलंत जनसमस्याओं के समाधान के लिए बेहतर राजनीतिक और साम्प्रदायिक माहौल की आवश्यकता पर जोर दिया गया, ताकि गरीब, मेहनतकश और बहुजन समाज को सम्मानजनक जीवन का अधिकार मिल सके। बैठक में कहा गया कि उत्तर प्रदेश के अधिकांश अंबेडकरवादियों की तरह देश के अन्य राज्यों में भी बड़ी संख्या में लोग मायावती को बहुजन समाज के आत्मसम्मान और स्वाभिमान की प्रतीक मानते हैं। यह विश्वास व्यक्त किया गया कि परमपूज्य भीमराव अंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ाते हुए और संविधान को सही ढंग से लागू कर बहुजन समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।बैठक में यह भी कहा गया कि विरोधी पार्टियों और उनकी सरकारों की नीतियों के कारण, विशेषकर गरीब, किसान और बहुजन विरोधी रवैये, कथनी-करनी के अंतर तथा भ्रष्टाचार के आरोपों से उनकी विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है।

ऐशबाग स्टेशन के समग्र विकास को गति, महाप्रबंधक ने किया विस्तृत निरीक्षण

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में रेल यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा और सुविधाओं के व्यापक उन्नयन की दिशा में चल रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने ऐशबाग रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, अपर मण्डल रेल प्रबंधक (इंफ्रा) भुवनेश सिंह, अपर मण्डल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू, मुख्य परियोजना प्रबंधक/गतिशक्ति/मुख्यालय राघवेंद्र कुमार सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहेनिरीक्षण की शुरुआत प्लेटफार्म संख्या 01 से हुई, जहां अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित लेआउट प्लान का अवलोकन किया गया। महाप्रबंधक ने स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा के पालन की गहन समीक्षा की।

विभिन्न दलों के नेताओं ने थामा समाजवादी पार्टी का दामन, 2027 में बदलाव का दावा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अखिलेश यादव की उपस्थिति में आज लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय पर विभिन्न दलों से आए नेताओं और प्रमुख व्यक्तियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इन नेताओं ने समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा में आस्था व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय लोक दल और राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी छोड़कर सपा का दामन थामा।सदस्यता ग्रहण करने वालों में रवि बैंसला प्रधान कांशीराम (बागपत, पूर्व भाजपा), नवीन शर्मा (प्रतियोगी परीक्षाओं के कोचिंग संचालक, बुलंदशहर), अधिवक्ता वीरेन्द्र सिंह (गाजियाबाद, पूर्व राष्ट्रीय स्वाभिमान पार्टी), प्रेरक वक्ता अमर चौधरी तथा अधिवक्ता महेश नागर (पूर्व अध्यक्ष, गौतमबुद्ध नगर बार एसोसिएशन) प्रमुख रहे।बिजनौर जनपद से पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व

प्रत्याशी राष्ट्रीय लोक दल राहुल सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रमुख भोपाल सिंह, पूर्व उप पुलिस अधीक्षक महेन्द्रपाल, जिला पंचायत सदस्य करणपाल सिंह भुड्यार, पूर्व अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अर्जुन सिंह, पूर्व चेयरमैन डीसीएफ दिलावर सिंह प्रधान, पूर्व जिला मुख्य महासचिव रालोद बलजीत शास्त्री तथा सुरेन्द्र सिंह प्रधान सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भी सपा की सदस्यता ली।इसके अतिरिक्त सूरज सिंह प्रधान, रविन्द सिंह (पूर्व चेयरमैन), नितिन कुमार (पूर्व जिलाध्यक्ष छात्रसभा रालोद), रोहित कुमार, संजीव कुमार, धर्मेन्द्र कुमार (ग्राम प्रधान), रामलाल बाल्मीकि (जिलाध्यक्ष बाल्मीकि समाज), देवेश चौधरी (महासचिव व्यापारी एकता परिषद), बलराम सिंह (जिला उपाध्यक्ष रालोद), कामेन्द्र सिंह (पूर्व जिला महासचिव रालोद), ठाकुर सतीश गहलौत (वरिष्ठ भाजपा नेता) सहित अनेक कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर और बिजनौर से आए अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी सामूहिक रूप से सदस्यता ग्रहण की।

शिया पीजी कॉलेज मैदान में लोहिया नगर रॉयल्स और टाइगर्स के बीच रोमांचक मुकाबला

लखनऊ। लोहिया नगर फ्रखंड द्वारा शिया पीजी कॉलेज, सीतापुर रोड मैदान पर 12-12 ओवर का मैत्री क्रिकेट मैच आयोजित किया गया, जिसमें लोहिया नगर रॉयल्स और लोहिया नगर टाइगर्स की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। मैच में खेल भावना, उत्साह और नागरिक सुरक्षा के पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी विशेष आकर्षण रही।टॉस जीतकर लोहिया नगर रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। टीम की ओर से ओपनिंग करने अमर नाथ मिश्रा, चीफ वार्डेन नागरिक सुरक्षा लखनऊ और गुरप्रीत शेट्टी, डिप्टी चीफ वार्डेन मैदान में उतरे। गेंदबाजी की शुरुआत सुनील कुमार तिवारी, डिविजनल वार्डेन फ्रखंड लोहिया नगर ने की। रॉयल्स की ओर से विमल कुमार वर्मा, घटना नियंत्रण अधिकारी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 58 रन बनाए और टीम को निर्धारित 12 ओवर में 137 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सर्किट हाउस में मंत्री ए .के . शर्मा की विस्तृत समीक्षा बैठक, स्वच्छता, जलनिकासी और बिजली व्यवस्था पर सख्त निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने वाराणसी स्थित सर्किट हाउस में महापौर अशोक तिवारी की उपस्थिति में नगर निगम एवं जलकल विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर की सफाई व्यवस्था, जल निकासी, पेयजल आपूर्ति, घर-घर कूड़ा संग्रहण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।मंत्री ने स्पष्ट कहा कि काशी की स्वच्छता, सुव्यवस्था और आधारभूत ढांचे का सुदृढ़ीकरण प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक वार्ड में नियमित सफाई, निर्धारित समय पर कूड़ा उठान, नालों की गाद सफाई तथा सीवर लाइनों के रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते

हुए जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहले से पहचान कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता, पाइपलाइन से हो रहे रिसाव, ऊंची जल टंकियों की नियमित सफाई तथा जलकल विभाग की कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि नागरिकों को शुद्ध और नियमित पेयजल उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और कहीं भी पानी की आपूर्ति बाधित न होने पाए। घर-घर कूड़ा संग्रहण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए मंत्री ने निर्देश दिया कि किसी भी मोहल्ले या मार्ग पर कूड़ा एकत्रित न रहने पाए। कचरे का निस्तारण वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से किया जाए तथा नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं।बैठक में उपस्थित पार्षदों से मंत्री ने कहा कि वे अपने-अपने वार्डों में विकास एवं सफाई कार्यों की नियमित निगरानी करें। जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से ही योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है। किसी भी वार्ड में समस्या उत्पन्न होने पर उसे तुरंत प्रशासन के संज्ञान में लाया जाए, ताकि त्वरित और स्थायी समाधान किया जा सके। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि वाराणसी को स्वच्छ, व्यवस्थित और आधुनिक नगर के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। ऊर्जा विभाग की अलग से आयोजित समीक्षा बैठक में व्यवसायिक कार्ययोजना तथा संशोधित वितरण क्षेत्र योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई।

गाजीपुर में मुठभेड़ के बाद दो शातिर चेन स्नैचर गिरफ्तार, एक घायल, तमंचे व लूटी चेन बरामद

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के पूर्वी जोन अंतर्गत थाना गाजीपुर पुलिस और क्राइम टीम पूर्वी जोन की संयुक्त कार्रवाई में मुठभेड़ के बाद दो शातिर चेन स्नैचर गिरफ्तार किए गए। जवाबी फायरिंग में एक अभियुक्त घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से अवैध असलहे, कारतूस, लूटी गई चेन के टुकड़े और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की है।पुलिस के अनुसार 21 फरवरी 2026 को वादिनी विमला, निवासी इंदिरानगर, ने 19 फरवरी को गोल चौराहा के पास दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा गले से सोने की चेन झपटकर फरार होने की सूचना पर थाना गाजीपुर में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीमों का गठन किया गया और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस तथा जमीनी सूचना तंत्र के माध्यम से आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

केजीएमयू में स्लीप सर्टिफिकेशन कोर्स कार्यशाला आयोजित

» कार्यशाला से पूरे उत्तर प्रदेश में होगा खर्राटे व नींद की समस्याओं का उपचार : डॉ.सूर्य कान्त

» केजीएमयू बने खर्राटे एवं निद्रा सम्बन्धी रोगों का प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र : डॉ. सोनिया नित्यानंद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आज की भागदौड़ भरी ज़िन्दिगी में नींद से जुड़ी बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। कई लोग खर्राटों, बार-बार नींद टूटने, दिनभर थकान रहने या अत्यधिक नींद आने जैसी समस्याओं को सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि ये संकेत स्लीप एपनिया, अनिद्रा या नींद सम्बंधित अन्य गंभीर स्थितियों की ओर इशारा कर सकते हैं। समय रहते इन समस्याओं की पहचान और इलाज न होने से हृदय रोग, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और मोटापे का खतरा बढ़ जाता है। चिड़चिड़ापन, अवसाद और सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। ये बातें किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने कहीं। वे अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर, लखनऊ में रविवार को आयोजित आईसीएस स्लीप सर्टिफिकेशन कोर्स की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

इंडियन चेस्ट सोसाइटी तथा स्नोरिंग एंड स्लीप रिलेटेड डिसऑर्डर्स सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस एक दिवसीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सकों को अपने-अपने क्षेत्रों में बेहतर स्लीप केयर सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए व्यावहारिक दक्षता प्रदान करना था। कार्यशाला में देशभर से स्लीप मेडिसिन के विशेषज्ञ एवं चिकित्सक भाग लिया।

स्लीप एपनिया के लक्षण

डॉ. सूर्यकांत ने बताया - मोटापा, छोटी और मोटी गर्दन (कॉलर साइज 42 सेमी से अधिक), डबल चिन तथा जबड़े या नाक की बनावट में समस्या खर्राटों और स्लीप एपनिया के प्रमुख संकेत हो सकते हैं। टॉन्सिल का बढ़ना, नाक में रुकावट या भारी जीभ से भी श्वास मार्ग में रुकावट का जोखिम बढ़ा सकते हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर समय रहते चिकित्सकीय परामर्श आवश्यक लें।

स्लीप एपनिया से बड़े ही नहीं, बच्चे भी प्रभावित

डॉ. सूर्यकांत ने बताया - स्लीप मेडिसिन रिव्युज़ जर्नल में 2023 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, वयस्क पुरुषों में लगभग 40 प्रतिशत और वयस्क महिलाओं में लगभग 20 प्रतिशत लोग खर्राटों की समस्या से प्रभावित हैं, जबकि 18 वर्ष से कम की आयु के लगभग 10 प्रतिशत बच्चों में भी यह समस्या देखी जाती है। कार्यशील आयु वर्ग के लगभग 10 करोड़ 40 लाख से अधिक भारतीय ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से प्रभावित हैं, जिनमें से करीब 4.7 करोड़ लोग मध्यम से गंभीर श्रेणी में आते हैं।

मुंबई से आईं इंडियन चेस्ट सोसाइटी की सचिव डा. अमिता नेने ने कहा – ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ओएसए) एक नींद संबंधी विकार है जो सोते समय आपकी सांस लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करता है। इससे श्वास नली में रुकावट आती है। लेकिन इस स्थिति का इलाज संभव है।

कार्यशाला में स्लीप मेडिसिन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर क्रमवार सत्र आयोजित किए गए। विशेषज्ञों ने खर्राटे की समस्या से लेकर स्लीप एपनिया के उपचार, सीपैप (सीपीएपी) के उपयोग, स्लीप स्टडी के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों तथा विभिन्न नींद सम्बन्धी विकारों के प्रबंधन पर सरल एवं व्यवहारिक जानकारी साझा की।

प्रतिभागियों को स्लीप लैब सेटअप, स्लीप स्टडी रिपोर्ट पढ़ने, स्कोरिंग, उपकरणों के उपयोग और ट्रबलशूटिंग की व्यावहारिक ट्रेनिंग दी गई। अंत में एग्जिट एग्जाम आयोजित किया गया, जिसके आधार पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने इस कार्यशाला को आयोजित करने के लिए आयोजकों डॉ. सूर्यकांत, डॉ. अमिता नेने, डॉ. ज्योति बाजपाई, डॉ. श्वेता और डॉ. अंकित कुमार को बधाई दी और उम्मीद जताई कि केजीएमयू पूरे उत्तर प्रदेश के लिए खर्राटे अवं नींद सम्बन्धी बिमारियों के लिए एक प्रमुख प्रशिक्षण केंद्र बनेगा।

चीनी टैंक ठिठक कर रूके

सोचे, कल्पना करें भारत के सेनापति के 31 अगस्त 2020 की रात 8.15 बजे से 10.30 तक के क्षणों पर। तब चार टैंक लिए चीनी पैदल सेना भारत की सीमा की और बढ़ रही थी। कहां? लद्दाख के रेज़नि ला इलाके में। उत्तरी कमांड के जनरल योगेश जोशी ने 8.15 बजे भारत के सेनापति जनरल एमएम नरवणे को फोन पर चीनी सैनिकों, टैंकों के बढ़ने की आपतकालीन सूचना दी और पूछा–क्या आदेश है? थलसेना प्रमुख जनरल नरवणे ने तुरंत रक्षा मंत्री, एनएसए, विदेश मंत्री, एनएसए, सीडीएस को फोन किया। संकट और उसकी गंभीरता बताई। और 'आदेश' के लिए कहां। शायद इसलिए भी क्योंकि सेना को आदेश था कि 'सबसे ऊपर से मंजूरी मिलने तक गोली नहीं चलानी है।' पर थलसेना प्रमुख के लगातार फोन करने, आदेश मांगने के बावजूद न कोई आदेश! न सुरक्षा मामलों की केबिनेट सीसीएस की आपतकालीन बैठक। ले.जनरल योगेश जोशी ने 9.10 पर वापिस सेना प्रमुख को फोन कर पूछा कि क्या आदेश है? ले. जनरल ने सेना चीफ को सूचना दी टैंक आगे बढ़ते जा रहे हैं, और अब वे चोटी से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर हैं, आदेश दे? सेना प्रमुख ने फिर सभी को (रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल और सीडीएस जनरल बिपिन रावत) फोन किया, ताजा स्थिति बताई और साफ निर्देश मांगे। हालात तनावपूर्ण थे। फोन लगातार बज रहे थे।

जनरल नरवणे की किताब के जो अंश सामने आए हैं उसके मुताबिक उन्होंने अपनी पुस्तक में लिखा है, हर किसी से मेरा एक ही सवाल था, 'मेरे आदेश क्या हैं? हर किसी से मेरा एक ही सवाल था, 'मेरे आदेश क्या हैं?' 'पीएलए कमांडर मेजर जनरल लियू लिन के साथ हॉटलाइन पर (सेनाधिकारियों ने) बातचीत की। इसमें सुझाव दिया गया था कि दोनों पक्ष कोई भी कदम न उठाएं और अगले दिन सुबह 9.30 बजे दोनों स्थानीय कमांडर दर्रे पर मिलें। इसकी सेना प्रमुख ने रात 10 बजे रक्षा मंत्री और एनएसए को जानकारी दी। मैंने अभी फोन रखा ही था कि 10.10 बजे ले.जनरल योगेश जोशी ने फिर फोन किया। उसने बताया कि टैंक फिर से आगे बढ़ने लगे हैं और अब सिर्फ करीब 500 मीटर दूर हैं। सेना चीफ ने फिर ऊपर फोन किया। पर कोई स्पष्ट आदेश नहीं। इसलिए क्योंकि 'सबसे ऊपर से' किसी को निर्देश नहीं था। आखिरकार रात 10.30 बजे सेनापति को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, जो उचित समझो, वह करो।

सोचें, वह जवाब, वह समय, वे क्षण भारत के सेनापति के लिए कितने भारी रहे होंगे। जिस 'सबसे ऊपर' यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आदेश आना था वह कहां थे? क्यों दुबके हुए थे? क्या वे मिजाज अनुसार हैरान-परेशान-भयाकुल कमंडल नहीं तलाश रहे होंगे? मेरा क्याजी मैं तो कमंडल उठा कर चल पड़ूंगा। शासन के कायदे (शास्त्री के पाकिस्तान से लड़ने से लेकर कारगिल के वाजपेयी संकट में कैबिनेट कमेटी की बैठक परंपरा) अनुसार प्रधानमंत्री को क्या एनएसए, कैबिनेट सचिव को देश की सुरक्षा पर आए आकस्मिक खतरे में सीसीए यानी सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की बैठक बुलानी नहीं चाहिए थी? प्रधानमंत्री ने सेनापति को घर बुलाकर मंत्रणा भी नहीं की। ध्यान रहे भारत का सेनापति दिल्ली में ही रहता है। ये सभी आला चेहरे लुटियन दिल्ली के एक किलोमीटर के दायरे में रहते हैं। मगर सेना प्रमुख बस इंतजार करते रहे 'सबसे ऊपर..' के दो शब्द सुनने के लिए। और दो घंटे की सतत कोशिश के बाद उन्हें इतना भर कहा गया, जो उचित समझो, वह करो। सलाम सेनापति जनरल नरवणे और उत्तरी कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल जोशी को जो इन्होंने तय किया कि चीनी सेना को रोकने का एकमात्र तरीका मध्यम तोपखाने से फायर खोलना है। बकौल नरवणे की पुस्तक, 'जो (लेफ्टिनेंट जनरल जोशी) तैयार और तैनात था। पर मैंने उन्हे कहां, 'हम पहली गोली नहीं चला सकते,' ज्इसकी बजाय, मैंने उनसे कहा कि हमारे टैंकों की एक टुकड़ी को दर्रे की आगे की ढलानों तक ले जाएं और तोपों को नीचे की ओर झुका दें, ताकि पीएलए सीधे हमारी तोपों के मुंह देखे, जनरल नरवणे लिखते हैं, यह तुरंत किया गया और पीएलए के टैंक, जो तब तक चोटी से कुछ सौ मीटर की दूरी पर आ चुके थे, वहीं रुक गए। उनके हल्के टैंक हमारे मीडियम टैंकों का मुकाबला नहीं कर पाते। यह एक ब्लफ़ का खेल था और पीएलए (चीनी सेना) ने कदम पीछे खींच लिए। उन क्षणों में अपने आपको अकेले पाने, वैधानिक राजनीतिक कमांड द्वारा बला टालने की अनहोनी ने ही शायद जनरल नरवणे को आत्मकथा ('फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी') लिखने के लिए प्रेरित किया होगा। मैंने किताब नहीं पढ़ी न देखी। एक जानकार ने बताया इसमें फॉरवर्ड जनरल वीके सिंह का लिखा है। दूसरी बात इसके प्रकाशन में मोदी सरकार ने अड़ंगा डाला हुआ था। तीसरी बात, राहुल गांधी के संसद में हंगामे का सप्ताह हो गया है पर सरकार का न कोई खंडन है और न जनरल नरवणे को झूठा करार दिया है। न देश को ज्ञान दिया गया कि भगवानश्री मोदीजी तब ध्यान अवस्था में थे तो कह दिया, जो उचित समझो, वह करो। और भारत के हिंदुओं चमत्कार देखो भगवानजी का वचन जनरल ने सुना और उनकी बुद्धि जागी और उसके आगे फिर चीनी टैंक ठिठक कर रूक गए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिवस पर विशेष

छत्तीसगढ़ मे आदिवासी नेतृत्व गढ़ रहा है विकास के नए सोपान

कृषक उन्नति योजना के तहत धान के मूल्य के अंतर की राशि के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होली त्यौहार से पहले एकमुश्त किया जाएगा।

छगन लाल लोन्हारे

छत्तीसगढ़ की खूबसूरत वादियों में स्थित जशपुर जिला के ग्राम बगिया में 21 फरवरी को जन्म लेने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सज्जनता और सहृदयता की एक मिसाल है। दो वर्ष के अपने मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ राज्य में विकास का एक नया आयाम गढ़ने वाले तथा प्रदेश के नागरिकों के दिलों में राज करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपनी लोकप्रियता के शिखर पर विद्यमान है। विष्णुदेव साय जनता के बीच के एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं।

केबिनेट बैठक में राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा

कृषक उन्नति योजना के तहत धान के मूल्य के अंतर की राशि के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होली त्यौहार से पहले एकमुश्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री स्वयं एक किसान पुत्र हैं वे किसानों की पीड़ा को भलीभांति जानते हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से की की गई है, जो देश में सर्वाधिक है। बीते दो वर्षों में कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों को धान के मूल्य के अंतर के रूप में 25 हजार करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस साल होली से पूर्व किसानों को 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होने से यह राशि बढ़कर 35 हजार करोड़ रूपए हो जाएगी। किसान हितैशी सरकार के इस निर्णय से बाजार भी गुलजार होंगे, जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर दिखाई देगा, ट्रैक्टर आदि की बिक्री में वृद्धि होगी।

प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति से राज्य में अब तक 7 लाख 83 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अपने दो साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को पूरे देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर जनता का न केवल विश्वास जीता है बल्कि उनके हित को ध्यान में रखकर उन्होंने ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है जिससे छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सम्भव हो पाया है। यह केवल और केवल विष्णुदेव साय जैसे एक संवेदनशील, कर्मठ तथा ऊर्जावान मुख्यमंत्री ही सम्भव कर सकते हैं।

विष्णु देव की सुशासन में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष घोषित किया गया है। राज्य सरकार ने मातृशक्ति का सम्मान करते हुए 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। प्रदेश के 42 हजार 878 महिला स्व- सहायता समूहों को आसान ऋण से अब तक 129.46 करोड़ रूपए का लाभ दिया गया है। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के अंतर्गत 4.81 लाख महिलाओं को 237 करोड़ रूपए की सहायता राशि दी गई है। राज्य की 19 लाख से अधिक महिलाओं को पूरक पोषण आहार सुनिश्चित की गई है। महिला सुरक्षा के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 की स्थापना की गई है। महिलाओं को रोजगार मूलक कार्यों के जरिए स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत स्तर पर 52.20 करोड़ की लागत से 179 महतारी सदनों का निर्माण कराया जा रहा है। महिला समूहों के उत्पादों की बिक्री हेतु 200 करोड़ की लागत से नवा रायपुर में यूनिटी मॉल का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री की पहल पर दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 5.62 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा आवास और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रख कर अब तक 26 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति किए गए हैं। स्वच्छ पेयजल सबका अधिकार है। प्रदेश के 41 लाख से अधिक घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति के लिए राज्य में 77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है। 70 समूह जल प्रदाय योजनाओं से प्रदेश के 3208 गांव लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा राज्य के शत-प्रतिशत गांवों का विद्युतीकरण किया जा रहा है।

डबल इंजन की सरकार में रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना के साथ रेल नेटवर्क मैप से बस्तर जुड़ रहा है। जगदलपुर-विशाखापट्नम और रायपुर-विशाखापट्नम नई सड़क परियोजनाओं से विकास की नई राहें खुल रही है। प्रदेश के 32 नगरीय निकायों में नॉलेज बेस्ड सोसाइटी हेतु लाइट हाउस निर्माण की पहल की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने प्रदेश के हर वर्ग की बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, नियद नेल्ला नार, अखरा निर्माण योजना जैसी योजनाओं का शुभारम्भ किया है और जनता के बीच अपनी एक अलग छवि निर्मित की है।

मुख्यमंत्री साय जनता के बीच और हर समुदाय के बीच एक ऐसा पुल बनाना जानते हैं जिससे सभी एक दूसरे से जुड़ सके और सभी प्रदेश के हित में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह भी कर सके। उन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय पदेश की जनता को समर्पित कर यह सिद्ध कर दिया है कि उनका जीवन केवल उनका नहीं है अपितु प्रदेश की जनता की निः स्वार्थ सेवा के लिए समर्पित है। वे सही मायने में एक ऐसे जननेता हैं जिनके लिए जनता ही सब कुछ हैं। ऐसे सेवाभावी और लोकप्रिय जनसेवक बहुत कम होते हैं जिनके लिए जनता का विकास और जनता का साथ ही सबसे महत्वपूर्ण होता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अब तक का कार्यकाल इस बात का प्रमाण है कि यदि नेतृत्व ईमानदार, समर्पित और जनता की आकांक्षाओं से जुड़ा हो तो विकास की राह कठिन नहीं होगी।

(लेखक उप संचालक जनसंपर्क हैं)

टिप्पणी

भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर

भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी आर्थिक जटिलता सूचकांक पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है।

जो देश मैनुफैक्चरिंग की विविधापूर्ण एवं बारीक क्षमताएं विकसित करते हैं, उनका तेजी से विकास होता है। ये निष्कर्ष हार्वर्ड ग्रोथ लैब का है। अमेरिका के मशहूर हार्वर्ड केनेडी स्कूल से संबंधित ये अध्ययन केंद्र ने विभिन्न देशों की उत्पादक क्षमता को मापते हुए आर्थिक जटिलता सूचकांक (ईसीआई) तैयार करता है। उसका दावा है कि इस पैमाने से विकास की रफ्तार का किसी अन्य पैमाने की तुलना में अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। लैब अपने सूचकांक के आधार पर इस नतीजे पर है कि अगले दशक में प्रति व्यक्ति आर्थिक वृद्धि का अग्रणी देश वियतनाम होगा।

यानी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका चीन इस मामले में वियतनाम से पीछे रहेगा। संस्था का निष्कर्ष है कि अगले दस साल तक वैश्विक ग्रोथ का नेतृत्व पूर्वी एशिया के हाथ में बना रहेगा। ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविध तो है, लेकिन उच्च-तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है।

इस सूचकांक में भारत को ऊपर चढ़ना है, तो उसे उच्च मूल्य वाले और तकनीकी रूप से परिष्कृत वस्तुओं के उत्पादन की क्षमता विकसित करनी होगी। भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी ईसीआई पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। ईसीआई में मुख्य ध्यान ज्ञान एवं उच्च उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित है। इन्हें किसी देश में उत्पादक ढांचे के विकास का सबसे अहम हिस्सा माना गया है। ये रिपोर्ट एक आईना है, जिससे पता चलता है कि दुनिया विकास कथाओं को किन कसौटियों पर देख रही है। भारतवासियों को इसमें अपना चेहरा जरूर देखना चाहिए।

ब्लॉग

यूजीसी का नियम सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला

अजीत द्विवेदी

राजनीति में कुछ भी अनायास या अनियोजित नहीं होता है और अगर आपको लगे कि कुछ अनायास हो रहा है या अनप्लांड हो रहा है तो समझना चाहिए कि उसे उसी तरह से प्लान किया गया है। यानी उसकी योजना ऐसी बनी है कि वह अनप्लांड लगे। यह बात अमेरिका के एक राष्ट्रपति ने कही थी। पूरी दुनिया की राजनीति पर यह बात समान रूप से लागू होती है। तभी प्रयागराज में शंकराचार्य को लेकर जो कुछ हो रहा है और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी का जो नया नियम लाया गया हैं उसे अनायास हुए नहीं मानना चाहिए। सरकार ने किसी योजना के तहत यूजीसी के नए नियम लागू किए हैं। उसने सामान्य वर्ग को अलग थलग करने और उसे उत्पीड़क साबित करने का जो नियम बनाया है वह संयोग नहीं है, बल्कि किसी प्रयोग का हिस्सा है।

इस समय पूरे देश में यूजीसी की ओर से लाए गए समानता के नए नियम पर विवाद हो रहा है। यूजीपी ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूट रेगुलेशन 2026 के नाम से नए नियम जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव खत्म करना बताया गया है। इस तरह का एक नियम 2012 में बना था, जो पहले से उपलब्ध था। उसमें कुछ बदलाव करके उसे नए रूप में प्रस्तुत किया गया है। 2012 के नियम में सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी और एसटी को उत्पीड़न से बचाने का प्रावधान किया गया था। अब उसमें अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही महिलाएं और दिव्यांगजनों को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों में हर वर्ग के छात्र शामिल होंगे।

इसका मतलब है कि सामान्य वर्ग के एक छोटे से समूह को पहले से ही अत्याचारी या उत्पीड़क मान कर बाकी लोगों को उससे बचाने का प्रावधान किया गया है। 2012 के कानून में भेदभाव या उत्पीड़न की फर्जी शिकायत करने पर कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है। यानी एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग अगर चाहें तो किसी भी सामान्य वर्ग के छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और शिकायत गलत पाए जाने पर उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती है। हर संस्थान में इक्विटी कमेटी और इक्विटी स्क्वॉयड बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बदलाव करके यह नियम बनाया गया है कि इसमें सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति को रखना अनिवार्य नहीं होगा।

सोचें, क्या इससे भी ज्यादा भेदभाव या असमानता की कोई व्यवस्था हो सकती है? इसमें एक समूह को पहले से अपराधी मान कर उसे सजा के योग्य ठहरा दिया गया है। यह सामाजिक विद्वेष

बढ़ाने वाला नियम है, जो कानून विरूद्ध है और संविधान विरूद्ध है। यह प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांत के भी विरूद्ध है। भारत सरकार ने जब अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता समाप्त की और उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता लागू की तो कहा कि अंग्रेजों ने दंड का प्रावधान किया था लेकिन अब सरकार न्याय की व्यवस्था ले आई है।

क्या यही न्याय की व्यवस्था है कि आप एक समूह को पहले से अपराधी मान लेंगे? सवाल है कि आरोप लगाए जाने और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को अपराधी कैसे माना जा सकता है? भारत में न्याय की व्यवस्था महर्षि याज्ञवल्क्य के समय बनी, जिसमें वाचस्पति ने नव्य न्याय की धारणा जोड़ी। इसके मुताबिक दोष सिद्धि से पहले किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 कानून के समक्ष सबकी समानता और धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, क्षेत्र आदि के आधार पर किसी किस्म के भेदभाव को निरस्त करता है। लेकिन यहां भारत सरकार ने जाति के आधार पर एक समूह को पहले ही अपराधी मान लिया है। किसी सभ्य समाज में ऐसी व्यवस्था की कल्पना भी कैसे की जा सकती है?

इसी तरह का एक बिल मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार भी ले आई थी। कम्युनल वायलेंस बिल की मूल अवधारणा हिंदू को दंगाई मानने की थी। ऐसा कानून बन रहा था, जिसके मुताबिक कही भी दंगा होगा तो हिंदू को दोषी माना जाएगा। ठीक उसी तरह का नियम सरकार ले आई है, जिसके मुताबिक किसी भी शिक्षण संस्थान में अगर भेदभाव होता है या उत्पीड़न की घटना होती है तो सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक को उसका दोषी माना जाएगा। एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग कभी भी आरोपी या दोषी नहीं बनाए जाएंगे।

अब जरा इसके व्यावहारिक पक्ष की कल्पना करें। किसी भी शिक्षण संस्थान में जाने वाले सामान्य वर्ग के छात्र के ऊपर कितना मानसिक दबाव होगा। वह हर समय इस आशंका में रहेगा कि उपरोक्त पांच समूहों का कोई छात्र उसके खिलाफ शिकायत कर सकता है और उसका करियर समाप्त कर सकता है। क्या सरकार कथित ऐतिहासिक गलतियों को दुरुस्त करने के लिए रिवर्स डिसक्रिमिनेशन के जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा से दूर करना चाहती है?

सरकार ने यह काम ऐसे समय में किया है, जब सामाजिक स्तर पर असमानता कम हो रही है, समाज ज्यादा समरस बन रहा है और सत्तारूढ़ दल खुद ही व्यापक हिंदू एकता के लिए काम कर रहा है। दूसरी ओर आर्थिक स्तर पर असमानता बढ़ रही है। सरकार का यह नियम विभिन्न जातियों और समाजों के बीच वैमनस्य और भेदभाव बनाने वाला प्रतीत होता है।

अगर इसके राजनीतिक पहलुओं को देखें तो क्या भारतीय जनता पार्टी और उसकी केंद्र सरकार को लग रहा है कि वह सामान्य वर्ग को अलग थलग करके या उसके प्रति द्वेष दिखा कर एससी, एसटी और ओबीसी के बड़े जातीय समूह को अपने साथ करे लेगी और इससे उसे चुनावी जीत का स्थायी फॉर्मूला मिल जाएगा? क्या वह कांग्रेस और प्रादेशिक पार्टियों की बहुजन राजनीति के जवाब के तौर पर यह नियम लेकर आई है?

ऐसा होना नहीं चाहिए क्योंकि भाजपा के नेता अर्थव्यवस्था, कूटनीति, प्रौद्योगिकी आदि समझें न समझें राजनीति बखूबी समझते हैं। उनके पता होता है कि किस बात से चुनावी नुकसान होगा और किस बात से फायदा होगा। तभी हैरानी हो रही है कि राजनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने वाला इतना बड़ा कदम इस सरकार ने कैसे उठाया।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी ने देश के अल्पसंख्यकों को पहले ही अपने से अलग कर दिया है। उत्तर प्रदेश में खुल कर 80 और 20 की लड़ाई बताई जाती है। लेकिन यह विभाजन राष्ट्रीय स्तर पर भी है। भाजपा ने 20 फीसदी अल्पसंख्यकों को अपने से अलग मान लिया है। उसे 80 फीसदी हिंदुओं की राजनीति करनी है। अब क्या वह इस 80 फीसदी के समूह को और छोटा करने की जोखिम ले सकती है? क्या इसमें से 15 फीसदी सामान्य वर्ग बाहर हो जाए तो भाजपा 65 फीसदी के वोट की राजनीति करके चुनाव जीत सकती है? ध्यान रहे सामाजिक स्तर पर एससी और एसटी का टकराव ओबीसी के साथ ज्यादा है।

एससी, एसटी उत्पीड़न कानून के तहत 80 से 90 फीसदी मामलों में आरोपी पिछड़ी जातियों के हैं। इस कानून के दुरुपयोग के अनगिनत मामले सामने आ चुके हैं और अदालतों ने इस पर अनेक बार टिप्पणियां की हैं। लेकिन शिक्षण संस्थान में ओबीसी को भी एससी और एसटी के साथ ही उत्पीड़न के शिकार वर्ग में शामिल किया जा रहा है। क्या इससे तीनों समूहों के बीच समाज में भी समरसता स्थापित हो जाएगी? इसमें संदेह है लेकिन इससे एससी, एसटी व ओबीसी के साथ सामान्य वर्ग के संबंधों में तनाव जरूर बढ़ जाएगा। क्या सरकार यह तनाव बढ़ाना चाहती है?

अगर राज्यवार देखेंगे तो भाजपा को राजनीतिक नुकसान की संभावना और ज्यादा दिखेगी। मिसाल के तौर पर झारखंड में मुस्लिम, ईसाई और आदिवासी भाजपा के खिलाफ हैं। अगर सामान्य वर्ग भी खिलाफ हुआ तो भाजपा के पास क्या बचेगा? उत्तर प्रदेश में 80 और 20 की लड़ाई है। 80 में से 10 फीसदी यादव को पहले ही भाजपा ने अलग कर दिया है। अगर बचे हुए 70 फीसदी में से 20 से 25 फीसदी सामान्य वर्ग के लोग अलग हुए तो भाजपा के पास क्या बचेगा राजनीति करने को?

भाजपा के नेता इतने नासमझ तो नहीं हैं कि वे यह मानने लगें कि शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी के साथ ओबीसी को भी शोषित वर्ग में शामिल कर देने से उत्तर प्रदेश और बिहार में यादव भाजपा को वोट देने लगेंगे। दो तीन राज्यों के उदाहरण का विस्तार पूरे देश में किया जा सकता है। सो, कुल मिला कर यूजीसी का यह नियम सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला और समानता की भावना के विपरीत तो है ही साथ ही भाजपा को बड़ा राजनीतिक नुकसान पहुंचाने वाला भी हो सकता

बदायूं में दो बसों की जोरदार टक्कर, तीन लोगों की मौत ओवरटेक करने के दौरान हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। उझानी क्षेत्र में बारातियों से भरी एक प्राइवेट बस और रोडवेज बस की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, 12 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनमें पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, बारात की बस शाहजहांपुर जिले के बाराकलां से कासगंज के भम्मानगला थाना सोरों की ओरसे लौट रही थी। हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे जीडी गोयनका स्कूल के पास हुआ, जब ओवरटेक करने के दौरान प्राइवेट बस सड़क किनारे से आ रही रोडवेज बस से टकरा गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। वहीं, मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। क्षेत्र में बने अवैध कट और तेज रफ्तार को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है।

टक्कर से बरातियों में चीख पुकार मच गई

बरातियों की बस का ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। धमाके के साथ हुई टक्कर से बरातियों में चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही उझानी और सिविल लाइंस थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को निकाल कर मेडिकल कॉलेज पहुचाया। जहां चिकित्सकों ने किशन, सोनू और योगेश को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बरेली-मथुरा हाइवे पर काफी देर जाम की स्थिति बनी रही। बाद में पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क से हटवाकर किनारे कराया तब यातायात सुचारू हो सका।

तीन लोगों की मौत

इंस्पेक्टर उझानी गुड्डू सिंह के मुताबिक- हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। वहीं पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बाकी लोगों के थोड़ी बहुत चोटें आई हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घायलों को इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज बदायूं में भर्ती कराया गया है वहीं मृतकों के शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

ये चमक ये दमक फुलवन मा महक सब कुछ सरकार तुम्ही से है : संतोष व्यास

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। श्री श्याम प्रभु खाटू वाले के 25 वें श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव खुर्शीद क्लब में नाथ नगरी बरेली की अंजली द्विवेदी और संतोष व्यास के मधुर भजनों पर भक्त झूम उठे। रजत जयंती वर्ष मे कोलकाता से आए कलाकारों ने मेवे से भव्य खाटू नरेश का नयनाभिराम दरबार सजाया. यहाँ श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर दर्शन एवं पूजन किया।

महोत्सव का शुभारंभ मंडल के वरिष्ठ सदस्य अशोक अग्रवाल एवं अशोक मुरारका ने सपत्नीक विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन कर ज्योत प्रज्वलित कर किया. बालाजी म्यूजिकल ग्रुप के भजन प्रवाहक राजवीर श्रीवास्तव ने गणेश वंदना और हनुमत वंदना के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया.मंडल के सदस्य महक कसौधन एवं अंकुश शुक्ला ने श्याम भजन प्रस्तुत किए। यहाँ अंजली द्विवेदी ने 'तेरी नजरों से नजर जो मिलाया जादूगर है श्याम मेरा दरबार में जादू है,श्याम नाम के पागल हम ,खाटू की गलियों की तो बात निराली है एक मैं नहीं पागल दुनिया मतवाली है,देखे ताज और कुतुबमीनार,उनसे बढ़कर तोरण द्वार,'दानी दयालु तेरे द्वार पे जो भी आया, श्याम तेरी किरपा उस पर हो गई' जैसे भजनों से भक्तगण भाव विभोर होकर थिरकने लगे। राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित संतोष व्यास (रिंग्स राजस्थान): के सुरीले भजन यह चमक यह दमक फुलवन में महक , सब कुछ सरकार तुम्ही से है, तुम्हे प्रीत निभानी पड़ेगी, मुझे श्याम अपना बना कर देखो,मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है हमें तो जो भी दिया श्याम बाबा ने दिया और भर दे रे श्याम झोली भर दे' पर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। जनपद में पहली बार श्याम प्रभु का श्रृंगार कोलकाता के कारीगरों द्वारा निर्मित सूखे मेवे से किया गया था,खाटू श्याम की गर्भ गृह की तर्ज पर यहां भी बाबा का मंदिर का स्वरूप का दरबार बनाया गया था। इस वर्ष श्याम भक्तों की इतनी अपार भीड़ थी कि पूरा खुर्शीद क्लब खचाखच भरा हुआ था। सजीव चित्रण झांकी के माध्यम से नृसिंह अवतार का मनमोहक मंचन किया गया। आयोजक मंडल के पुरुषों के लिए ड्रेस कोड कुर्ता पैजामा फटका तथा कुर्ता पर कृष्ण जी का बैज तथा महिलाओं ने राजस्थानी चुनरी धारण की थी जो कि आकर्षण का केंद्र रहा। यहाँ श्याम प्रेमियों ने 'राधे जी की रसोई' में भोजन प्रसाद का आनंद लिया कार्यक्रम में तोरण द्वार एवं गौसेवा का सेल्फी प्वाइंट बनाया गया था। 'आज बिरज में होली रे रसिया', 'होलिया में उड़े रे गुलाल श्याम तेरे मंदिर में' जैसे भजनों पर फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, आशीष अग्रवाल एडवोकेट, पिंटू अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, गंगा प्रसाद कसौधन और रवि जायसवाल, मनीष आदि की भूमिका उल्लेखनीय रही।

पोते की मौत का सदमा बर्दास्त नहीं कर पाई दादी... कुछ ही घंटे बाद तोड़ा दम, परिवार में पसरा मातम

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में सैदपुर इलाके के ऊचौरी गांव में एक नाबालिग कई दिनों से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई और इसकी जानकारी जैसे ही उसकी दादी उमा देवी को हुई वह भी अचेत हो गई। अपने पोते के अंतिम संस्कार से पहले उन्होंने भी दम तोड़ दिया जिसके बाद परिजनों ने एक साथ दादी और पोते की अंतिम यात्रा निकालकर उनका अंतिम संस्कार किया।

सैदपुर तहसील इलाके के उचौरी गांव में अपने 4 साल के इकलौते पोते की मौत का सदमा दादी बर्दाश्त नहीं कर पाई। उन्होंने भी दम तोड़ दिया। जिसके बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं परिजनों में भी कोहराम मच गया। परिजनों ने शोकग्रस्त होकर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

सदमे दादी ने तोड़ा दम

दरअसल, गांव निवासी सर्वेश वर्मा का 4 साल का इकलौता बेटा व घर का दुलारा हर्ष काफी दिनों से बीमार था। इस बीच परिजन उसके इलाज के लिए बुधवार को चिकित्सक के पास ले गए। उसके बाद उसे खून की जांच के लिए ले जाया गया और अभी खून जांच की प्रक्रिया शुरू ही हुई थी कि तभी अचानक हर्ष गिरा और उसकी मौत हो गई। इकलौते बेटे की मौत की घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।परिवार और आसपास के लोग रोने बिलखने के साथ बच्चे के शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले।

दादी-पोते की मौत से मचा कोहराम

हर्ष की मौत का पता चलने के बाद दादी 55 वर्षीय उमा देवी पत्नी सीताराम वर्मा यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकीं और हर्ष के अंतिम संस्कार से पहले ही उन्होंने भी दम तोड़ दिया। एक साथ घर में दो असामयिक मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जिसके बाद उमा देवी व हर्ष को एक साथ अंतिम संस्कार के लिए सैदपुर के जौहरगंज स्थित श्मशान घाट पर ले जाया गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक व्याप्त हो गया, वो अपने पीछे 4 पुत्र व एक पुत्री छोड़ गई हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पोते के गम में दादी के प्राण त्यागने की घटना पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गई।

वैवाहिक वर्षगांठ पर पत्नी संग किया रक्तदान, सहकर्मी रहे मौजूद

सुलतानपुर। सही मायने में 'अच्छे लोग अच्छी बैंक' के मुहावरे को चरितार्थ यदि कही देखना है तो स्वशासी राजकीय महाविद्यालय परिसर में चलने वाला ब्लडबैंक और उसमें कार्यरत प्रभारी ब्लडबैंक से लेकर एलटी,फार्मासिस्ट वार्डब्वाय तथा सफाई कर्मियों से मिलिये तब लगेगा की इस मुहावरे में कितनी सच्चाई है,हम बात कर रहे है ब्लडबैंक में बतौर लैब टैक्नीशियन अवनीश शाह रविवार को अपनी शादी की 22वीं वर्षगांठ के अवसर पर अपनी पत्नी बबीता साहू के साथ ब्लडबैंक पहुंचकर दोनो ने रक्तदान किया,उक्त अवसर पर ब्लडबैंक प्रभारी डां.संजय सिंह, विजय चौधरी,धर्मेंद्र यादव, सुशील कुमार, सिस्टर संजू सहित मौजूद रहे,प्रभारी ब्लडबैंक डां.संजय सिंह ने अपने आशीर्वचन में दोनों के सुंदर भविष्य की कामना करते हुए सुखद जीवन का आशीर्वाद दिया,साथ ही सहयोगी कर्मियों ने दोनों पति-पत्नी के सुखद भविष्य की कामना की।

'अब कैसे दूं परीक्षा...', आगरा में हाईस्कूल के छात्र को पुलिस ने दी 'थर्ड डिग्री', तोड़ दिया हाथ, दो दारोगा पर एक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा के किरावली थाना क्षेत्र से पुलिस की संवेदनहीनता और बर्बरता का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मिढ़ाकुर चौकी में तैनात दो दारोगाओं पर एक हाईस्कूल के छात्र को 'थर्ड डिग्री' देने और उससे उगाही की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस की पिटाई से छात्र का हाथ टूट गया है, जिससे उसकी चल रही बोर्ड परीक्षाओं पर संकट मंडरा गया है।

जानकारी के अनुसार, घटना की शुरुआत 18 फरवरी को हुई थी, जब दो छात्रों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। बताया जा रहा है कि शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच फोन पर समझौता हो गया था। लेकिन इसके बावजूद, मिढ़ाकुर चौकी पुलिस ने छात्र को पूछताछ के बहाने चौकी बुलाया।

रुपये न देने पर डंडों से पीटा

पीड़ित छात्र का आरोप है कि चौकी में मौजूद दो दारोगाओं ने उससे रुपयों की मांग की। जब उसने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो उसे बांधकर डंडों से बेरहमी से पीटा गया। इस पिटाई के कारण छात्र के हाथ में गंभीर चोट आई। मेडिकल जांच में छात्र के हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है। पीड़ित छात्र हाईस्कूल का है और वर्तमान में यूपी बोर्ड की परीक्षाएं चल रही हैं। हाथ टूटने के कारण वह लिखने की स्थिति में नहीं है, जिससे उसके अगले पेपर और पूरे भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है।

DCP वेस्ट की बड़ी कार्रवाई

मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आते ही महकमे में हड़कंप मच गया। DCP वेस्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ACP अछनेरा को जांच सौंपी। प्रारंभिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर दोनों आरोपी दारोगाओं को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। DCP वेस्ट ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में FIR दर्ज की जाएगी। कानून हाथ में लेने वाले किसी भी पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा। जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बढ़ सकती हैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और शिष्यों की मुश्किलें, बच्चों से कुकर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद सहित चार पर बच्चों से कुकर्म के आरोप में मुकदमा दर्ज हो गया है। झूंसी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर एफआइआर दर्ज करते हुए विवेचना शुरू कर दी है। तथ्यों, बयान और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

इससे पहले शनिवार को जिला अदालत के पाक्सो एक्ट कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को अभियोग पंजीकृत कर विवेचना करने के आदेश दिए थे। अदालत ने कहा था कि विवेचना निष्पक्ष, स्वतंत्र और शीघ्र की जाए। इस दौरान पीड़ितों की पहचान और गरिमा की रक्षा संबंधी उपबंधों का पालन किया जाए।

शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी की ओर से बीते माह कोर्ट में अर्जी दी गई थी। इसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुदानंद सहित अन्य पर माघ मेले के दौरान नाबालिग लड़कों से कुकर्म का आरोप लगाया था। अदालत में पीड़ित बच्चों का बयान भी दर्ज कराया गया था। तब कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से मामले की जांच करके आख्या मांगी।

महाकुंभ में भी कुकर्म करने का आरोप

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर महाकुंभ 2025 के दौरान भी दो किशोरों से कुकर्म करने का आरोप लगाया गया है। झूंसी थाने में दर्ज एफआइआर में यह तथ्य अंकित किया गया है। इसमें महाकुंभ में मेला क्षेत्र में नाबालिग लड़कों से गलत काम का आरोप लगाया गया है।

गुरु की सेवा का बनाया जाता था दबाव

नाबालिग लड़कों पर गुरु की सेवा करने का दबाव बनाते हुए उनके साथ गलत काम किया जाता था। अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य कहते थे कि गुरु सेवा से आशीर्वाद मिलेगा। कई बार धार्मिक आस्था कि आड़ में तो कई बार जबरन गलत काम किया जाता था। माघ मेला में शिविर और उसके बाहर खड़ी गाड़ी में भी अविमुक्तेश्वरानंद ने लड़कों के साथ गलत काम किया था। ऐसा भी आरोप लगाया गया है।

कोर्ट ने कहा- आरोप गंभीर प्रकृति के हैं

कोर्ट ने कहा कि पीड़ित बच्चों के कथन, स्वतंत्र साक्षियों के बयान, पुलिस कमिश्नर की ओर से प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन, संकलित सामग्री के परीक्षण से पता चलता है कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। लैंगिक उत्पीड़न के स्पष्ट आरोप शामिल हैं, जो संज्ञेय अपराध प्रकट करते हैं।

पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज कर विवेचना शुरू की

अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद व अन्य के विरुद्ध अभियोग, पंजीकृत कर विवेचना करने का आदेश दिया। झूंसी थानाध्यक्ष महेश मिश्रा का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर अभियोग पंजीकृत करके विवेचना शुरू कर दी गई है।

'पहले हसबैंड को छोड़के आ', जिस बॉयफ्रेंड के कहने पर पति को दिया धोखा, वही शादी से मुकरा, रोते बिलखते पहुंची थाने

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के मरदह थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला को उसके प्रेमी ने धोखा दे दिया। दरअसल, एक विवाहित महिला ने पहले लव मैरिज की। उसके बाद अपने पति के साथ रहने लगी। इस के बाद पड़ोस में रहने वाले एक लड़के से उसका चक्कर चलने लगा। लड़के से उसकी मोबाइल पर बात होने लगी और लड़के ने महिला से पति को छोड़ने की बात कही। महिला तैयार हो गई और पति का घर छोड़ जब प्रेमी के घर पहुंची तो प्रेमी ने शादी से इनकार करते हुए मारपीट की और उसे धमकी दी।

मामला मरदह थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पीड़ित महिला ने मरदह थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने युवक के साथ प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद उसका वैवाहिक जीवन ठीक चल रहा था, लेकिन इसी दौरान मोबाइल के जरिए पड़ोस के ही एक लड़के अभिषेक चौहान से देवर-भाभी के रिश्ते की वजह से बातचीत होनी शुरू हो गई। यह बातचीत इश्क तक पहुंच गई और फिर दोनों में प्यार मोहब्बत की बातें होने लगी।

प्रेमी ने दिया धोखा

युवक ने विवाहिता से अपने पति को छोड़कर अपने साथ रखने की बात कहने लगा। इश्क में अंधी विवाहिता ने भी अपने प्रेमी पर विश्वास किया और अपने पति को छोड़कर आशिक के साथ रहने का मन बनाते हुए उसके घर पहुंची। महिला के प्रेमी ने उसके साथ दुरव्यवहार किया, जिससे महिला ने आहत होकर अपने प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

प्रेमिका ने दर्ज कराया केस

प्रेमी के प्यार में पागल महिला को तब अपनी गलती का एहसास हुआ जब उसके प्रेमी ने उसे अपने साथ रखने से मना कर दिया और मारपीट की। इतना ही नहीं आरोपी प्रेमी ने महिला को जान से मारने की धमकी थी। वहीं प्रेमी की हरकतों से आहत होकर महिला ने मरदह थाने में शिकायत कर मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर आरोपी अभिषेक चौहान को मुकदमे में आरोपी बनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी।

दिव्यांगों और बुजुर्गों को आज मिलेंगे उपकरण

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। जिले के भदैया क्षेत्र के ग्राम जादीपुर (पोस्ट पखरौली) स्थित बसंतवीर बाबा धाम के मैदान में आज सोमवार को सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों तथा एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री बी. एल. वर्मा शामिल होंगे। यह आयोजन भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत किया जा रहा है।शिविर का आयोजन Artificial Limbs Manufacturing Corporation of India (ALIMCO) द्वारा किया जा रहा है, जबकि जिला प्रशासन सुलतानपुर का सहयोग भी रहेगा।

कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शुरू होगा, जिसमें बड़ी संख्या में दिव्यांगजन और बुजुर्गों को सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की भी संभावना है। इनमें जिला पंचायत अध्यक्ष उषा सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, विधायक राज प्रसाद उपाध्याय, विधायक विनोद सिंह, विधायक राजेश कुमार गौतम, विधान परिषद सदस्य शैलेन्द्र सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। आयोजकों के अनुसार शिविर में बड़ी संख्या में लाभार्थियों को उपकरण वितरित किए जाएंगे और कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

नन्हें मुन्ने बच्चों ने रोजा रख मिषाल पेष किया

जौनपुर। रमजान के पवित्र माह में इबादत के लिए बच्चे भी रोजा रख रहे हैं। नगर पंचायत केराकत के मोहल्ला सिपाह प्रथम वार्ड नंबर नौ के निवासी पूर्व प्रधानाचार्य तुफानी खॉन के दोनों नातियों नें रोजा रखकर एक मिशाल पेश किया है। और बेरोजेदार लोगों को सीख दी है कि आप को भी पवित्र माह रमजान में सभी लोगों को रोजा रखकर सवाब हासिल करना चाहिये। और अपनें किये गुनाहों से तौबा करना चाहिये। मोहल्ला सिपाह निवासी अमजद खॉन समाजसेवी के दोनों भांजों साहिर अली खॉन सात वर्ष व तौहीद खॉन 8 वर्ष नें पूरे दिन का रोजा रखकर सब्र और अल्लाह की इबादत में वक्त बिताया। कम उम्र में रोजा रखकर साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन नें न सिर्फ अपनें परिवार, बल्कि आसपास के लोगों को भी प्रेरित किया। स्वजनों के अनुसार घर के अन्य सदस्य जब रोजा रखकर इबादत कर रहे थे, तो साहिर अली खॉन, तौहीद खॉन दोनों भाइयों का भी मन रोजा रखने को मचल उठा।

पति ने पत्नी की प्रेमी से कराई शादी, दिया आशीर्वाद

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। रिश्तों में अक्सर टकराव, झगड़े और मुकदमे देखने को मिलते हैं, लेकिन जौनपुर में एक पति ने ऐसा फैसला लिया, जिसने न सिर्फ लोगों को चैंकाया बल्कि मानवीय संवेदना और त्याग की नई मिसाल भी पेश कर दी। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की उसके प्रेमी से पूरे विधि-विधान के साथ शादी करवा दी और खुद आगे बढ़कर दोनों को आशीर्वाद भी दिया।यह दृश्य जौनपुर के कचहरी परिसर स्थित मंदिर में देखने को मिला, जहां दर्जनों अधिवक्ताओं, पति-पत्नी व प्रेमी के परिजनों की मौजूदगी में विवाह संपन्न कराया गया। पत्नी ने खड़े होकर जयमाल पहनाई, प्रेमी ने उसकी मांग में सिंदूर भरा और पति मूक दर्शक नहीं, बल्कि इस फैसले का सबसे बड़ा गवाह और समर्थक बना।मिर्जापुर निवासी तन्जय प्रजापति की शादी वर्ष 2022 में जौनपुर के जलालपुर क्षेत्र की पम्मी प्रजापति से हुई थी। वर्ष 2023 में दोनों का एक बच्चा भी हुआ। इसके बाद पति-पत्नी महाराष्ट्र में रहने लगे। इसी दौरान पम्मी अपने प्रेमी राजू बैरागी के साथ मुंबई से गांव लौट आई। घटना की जानकारी मिलने पर तन्जय ने नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराई और फिर जौनपुर पहुंचा।हालात को समझने के बाद तन्जय ने गुस्से या बदले की राह छोड़कर त्याग का रास्ता चुना। उसने पत्नी और उसके प्रेमी को मंदिर ले जाकर पूरे विधि-विधान से विवाह कराया और कचहरी में आपसी सहमति से लिखापढ़ी कराते हुए पत्नी को उसके प्रेमी के साथ विदा कर दिया। वायरल वीडियो में सबसे भावुक पल वह रहा, जब तन्जय खुद आगे बढ़कर दोनों को आशीर्वाद देता नजर आया।तन्जय प्रजापति ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में प्रेम संबंधों के चलते कई घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने बच्चे की सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए उसे अपने साथ रखने का फैसला किया है।

मातम में बदली शादी की खुशियां, हर्ष फायरिंग में 9 साल के मासूम को लगी गोली

आर्यावर्त संवाददाता

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में कोतवाली नगर क्षेत्र में शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गई जब हर्ष फायरिंग के दौरान चली गोली एक 9 वर्षीय मासूम बच्चे को जा लगी। दरअसल मामला 19 फरवरी की शाम करीब 5:30 बजे का है जहां मोहल्ला सराफा बाजार में एक शादी समारोह के दौरान यह दर्दनाक हादसा हुआ। बताया जा रहा है की शादी की रश्म के दौरान ढोल नगाड़ों पर नाचते हुए परिजन रिश्तेदार सब चल रहे थे। तभी अचानक आरोपी रोबिन वर्मा ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी, जहां जश्न के नाम पर की जा रही इस लापरवाही ने कुछ ही सेकंड में एक मासूम की जिंदगी को खतरे में डाल दिया।

आरोपी रोबिन वर्मा ने लाइसेंसी पिस्टल से हवा में गोली चलाई जो कि एक मकान के ऊपर गैलरी में खड़े 9 वर्षीय रियांश सोनी के सर में जा लगी। जिससे वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। बच्चों के परिजनों में चीख पुकार मच गई, ढोल नगाड़ों के बीच नाचते जा रहे परिजन और रिश्तेदारों में भी अफरा-तफरी मच गई।

बच्चे की हालत नाजुक

घायल बच्चे के परिजन और अन्य लोगों ने आनन-फानन में गंभीर रूप से घायल हुए बच्चे को पहले स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन बच्चे की हालत को नाजुक देखते हुए बुलंदशहर से उसे नोएडा के निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अस्पताल में बच्चे के सिर का ऑपरेशन किया गया लेकिन उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक। बच्चा अभी कोमा में है और उसे वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। इस पूरी घटना का लाइव वीडियो भी पास में ही लगे एक घर के सीसीटीवी में कैद हो गया जिसमें आरोपी रोबिन वर्मा को खुलेआम फायरिंग करते हुए वीडियो में देखा जा सकता है। फिलहाल नगर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ FIR भी दर्ज कर ली है और जल्दी ही आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

बादाम से किशमिश तक...कितने घंटे भिगोएं कौन सा ड्राई फ्रूट, क्या है खाने का सही तरीका?

बादाम से लेकर किशमिश, अंजीर तक अलग-अलग तरह के ड्राई फ्रूट्स गुड फैट्स के साथ ही न्यूट्रिएंट्स का भी खजाना होते हैं। सेहत को इसका सही फायदा मिले इसके लिए जरूरी है कि आपको इसे खाने का सही तरीका और टाइम पता होना चाहिए।

हेल्दी लाइफ जीने के लिए न्यूट्रिएंट्स रिच खाना बहुत जरूरी होता है, लेकिन जब संतुलित आहार की बात आए तो लोग सिर्फ ।सब्जियों, अनाज या फिर ज्यादा से ज्यादा फलों आदि पर ज्यादा फोकस करते हैं। जबकि जरूरी है कि आप अपनी खाने की थाली के अलावा भी कुछ चीजें डेली रूटीन में खाएं। जैसे सूखे मेवा और नट्स, सीड्स, इनमें कई माइक्रोन्यूट्रिएंट्स अच्छी मात्रा में होते हैं जो आपकी फिजिकल, मेंटल हेल्थ को दुरुस्त रखने के साथ ही त्वचा और बालों को भी स्वस्थ बनाते हैं। ड्राई फ्रूट्स हो या फिर नट्स...सभी के अलग-अलग फायदे होते हैं, इसलिए एक बैलेंस मात्रा में डाइट में ये चीजें शामिल करना चाहिए। आपको नट्स और ड्राई फ्रूट खाने का सही तरीका भी पता होना चाहिए। इस आर्टिकल में जानेंगे कि बादाम से लेकर अखरोट, अंजीर, किशमिश तक... क्या कैसे खाना चाहिए।

ज्यादातर नट्स और ड्राई फ्रूट्स को भिगोकर खाने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे उनपर जमा टॉक्सिन हट जाते हैं। इसके अलावा न्यूट्रिएंट्स के ऑब्जर्वेशन में भी हेल्प मिलती है। हालांकि आपको पता होना चाहिए कि कौन सा नट्स और ड्राई फ्रूट कितनी देर भिगोकर रखना सही होता है और इसे खाने का सबसे बेस्ट टाइम कौन सा होता है। दरअसल ज्यादातर लोग यही गलती करते हैं कि वो हर ड्राई फ्रूट और नट्स को रातभर के लिए भिगोकर रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए।

बादाम खाने का तरीका

अगर आप अपनी डेली डाइट में बादाम खाते हैं तो इससे आपकी ब्रेन हेल्थ सुधरती है। स्किन ग्लोइंग होती है और अनहेल्दी क्रेविंग्स को कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है।

बादाम को 8 से 12 घंटे के लिए पानी भिगोकर रखना चाहिए। इसे सुबह छीलकर आप खाली पेट खा सकते हैं। पोर्शन की बात करें तो ये उम्र पर निर्भर करता है कि कितनी मात्रा में बादाम ले सकते हैं। अगर आप यंग हैं तो 5 से 7 बादाम खाए जा सकते हैं। हालांकि डाइजेशन और शरीर की प्रकृति का ध्यान रखना जरूरी होता है।

कैसे खाएं अखरोट?

अखरोट ओमेगा 3 से भरपूर होता है जो आपके ब्रेन, हार्ट के लिए फायदेमंद होने के साथ ही इंफ्लामेशन को रिड्यूस करने में हेल्पफुल है और नींद को भी इंप्रूव करता है।इसे खाने का बेस्ट टाइम है मॉर्निंग या फिर इवनिंग स्नैक्स में लें। अखरोट को 4 से 6 घंटे के लिए भिगोना चाहिए और रोजाना 1 से 2 अखरोट खाना काफी होता है।

काजू खाने का सही तरीका

अगर आप काजू खाते हैं तो ये आपकी एनर्जी और मूड को बूस्ट करेगा, क्योंकि ये भी हेल्दी फैट्स से भरपूर होता है। इसको भिगोने की जरूरत नहीं होती है, लेकिन अगर आप भिगो भी रहे हैं तो 1 से 2 घंटे ही काफी है। आप रोजाना अगर काजू खाते हैं तो 2 काजू खाना सही रहता है।

क्या पिस्ता भी भिगोना चाहिए?

कुछ ऐसे नट्स और ड्राई फ्रूट होते हैं, जिनको भिगोने की जरूरत नहीं होती है। इसमें से एक है पिस्ता। आप इसे ऐसे ही खा सकते हैं। ये हाई प्रोटीन होता है। आपकी गट (आंतों) हेल्थ को हेल्दी रखता है और शुगर मैनेज करने में भी हेल्पफुल रहता है। आप इसे मिड स्नैक्स की तरह खा सकते हैं। डेली रूटीन में 4 से 5 पिस्ता खाए जा सकते हैं।

किशमिश किस तरह खाएं?

ड्राई फ्रूट्स की बात करें तो किशमिश आयरन का सोर्स होती है। ये आपके हीमोग्लोबिन को बूस्ट करने में हेल्प करती है। स्किन हेल्थ को भी सपोर्ट करती है और डाइजेशन भी इंप्रूव होता है। किशमिश को 3 से 4 घंटे के लिए भिगोना चाहिए और आप मॉर्निंग के टाइम इसे खा सकते हैं। मात्रा की बात करें तो 6 से 8 किशमिश काफी रहती हैं।

खजूर का सेवन

एनर्जी बूस्टर ड्राई फ्रूट की बात करें तो खजूर बेहतरीन रहता है। आप रोजाना 1 से 2 खजूर खा सकते हैं। ये प्री वर्कआउट में लिया जा सकता है, क्योंकि इंस्टेंट एनर्जी देता है। इसके अलावा ये गट फ्रेंडली है और पोटेशियम से भरपूर होने की वजह से बीपी कंट्रोल में हेल्पफुल है। खजूर को भिगोकर खाने की जरूरत नहीं होती है।

अंजीर खाने का तरीका

फ्रेश अंजीर खाई ही जाती है, लेकिन ज्यादातर लोग इसे ड्राई फ्रूट की तरह खाते हैं। खासतौर पर मैदानी इलाकों में रहने वाले लोग सूखी अंजीर भी खाते हैं। अगर आप भी ड्राई अंजीर खाते हैं तो इसे भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद है, लेकिन ओवरनाइट की जगह आप इसे सिर्फ 3 से 4 घंटे के लिए ही भिगोएं। 1 से 2 पीस खाना काफी रहता है। ये हार्मोन को सपोर्ट करती है और फर्टिलिटी इंप्रूव करने में हेल्पफुल मानी जाती है साथ ही कब्ज वालों के लिए फायदेमंद है। इसे आप सुबह में खा सकते हैं।

ब्राजील नट कैसे खाएं?

अब लोगों में ब्राजील नट खाने का भी ट्रेंड बढ़ रहा है। ये सेलेनियम से भरपूर होता है और थायराइड हेल्थ को इंप्रूव करता है। इसमें की एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। रोजाना अगर ब्राजील नट खा रहे हैं तो 1 पीस काफी होता है। इसे भिगोकर खाने की जरूरत नहीं होता है, बेस्ट टाइम इसे खाने का है मॉर्निंग।

सामान्य है जानकारी

आप अपनी डाइट में नट्स या ड्राई फ्रूट्स शामिल करते हैं तो इससे न्यूट्रिएंट्स मिलती हैं जो आपकी हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। हालांकि ये किसी हेल्थ प्रॉब्लम का सॉल्यूशन नहीं होते हैं। किसी भी तरह की मेडिकल कंडीशन में अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए और तभी डाइट में बदलाव करने चाहिए। ये सिर्फ सामान्य लाइफस्टाइल की जानकारी है जिसे न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता ठक्कर ने शेयर किया है।

'लाइटें मारेगी त्वचा', शादी में जाने से 20 मिनट पहले कर लो 1 काम, क्रिएटर मीनू ने बताया अपनी मां का देसी जुगाड़

शादी या किसी भी फंक्शन में जाने से पहले अगर आपको पार्लर जाने का मौका नहीं मिल पाया है, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। आइए जान लेते हैं कि आप इंस्टेंटली ग्लोइंग स्किन के लिए क्या कर सकते हैं? इससे त्वचा में नेचुरली चमक नजर आएगी।

ग्लोइंग स्किन के लिए हम सभी अपने चेहरे पर तरह-तरह की क्रीमें और अन्य प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन चीजों में केमिकल्स का भरपूर मात्रा में इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि केमिकल्स से भरी इन चीजों को लगाने से त्वचा को फायदे कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। ऐसा नहीं है कि फायदे बिल्कुल होते ही नहीं है। दरअसल, हम सभी की त्वचा एक-दूसरे से बहुत अलग होती है। ऐसे में अगर कोई चीज किसी एक व्यक्ति के लिए अच्छी है, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है कि बाकी सभी के लिए भी फायदेमंद होगी। अगर आपके चेहरे पर कोई प्रोडक्ट सूट नहीं करता है, तो मुंहासे, लालिमा और कई अन्य एलर्जी हो सकती हैं।

केमिकल्स नहीं लगाएं तो क्या करें?

कई लोगों के मन में ये बात आती है कि अगर चेहरे पर केमिकल्स नहीं लगा सकते हैं, तो चमकती त्वचा के लिए क्या करें? इसका जवाब है कि आप घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब कई लोगों के मन में आएगा कि घरेलू नुस्खे अपना असर दिखाने में समय लगाएंगे। अगर हमें चेहरे पर इंस्टेंट ग्लो चाहिए, तो क्या करें। आपकी इस बात का जवाब यही है कि हम आपको जो नुस्खा बताने वाले हैं, वो आपके चेहरे पर नेचुरल चमक लेकर आएगा। साथ ही, आपको किसी भी तरह के केमिकल्स की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

इंस्टाग्राम से मिली जानकारी

इंस्टेंट ग्लो देने वाले इस बेहतरीन नुस्खे के बारे में जानकारी हमने इंस्टाग्राम से मिली है। कंटेंट क्रिएटर मीनू खुराना ने अपने अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट की है, इस वीडियो में उन्होंने बताया कि ये नुस्खा उनकी मां ने उन्हें बताया था। इस नुस्खे को कहीं भी बाहर जाने से पहले आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे चेहरे में पहली बार में ही अंतर नजर आने लगेगा। यहां हम आपको होममेड स्क्रब बनाने की विधि बताने वाले हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

नुस्खे में इस्तेमाल सामग्री

नुस्खे में इस्तेमाल सामग्री
2 चम्मच कच्चा दूध
3 चम्मच चीनी
थोड़ा सा नींबू

नुस्खा बनाने की विधि

इस नुस्खे को बनाने के लिए आपको कुछ नहीं करना है। सबसे पहले एक कटोरी में 2 चम्मच कच्चा दूध ले लें। अब इसमें चीनी और नींबू का रस डालें। आपको इन तीनों चीजों को अच्छे से मिला लेना है। अब इस कॉम्बिनेशन को 2-3 मिनट छोड़ दें। बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथ से 5 मिनट स्क्रब करें। आपको 10 मिनट इसे चेहरे पर छोड़ देना है। इसके बाद गीली कॉटन से मुंह साफ कर लें। आपका चेहरा चमक जाएगा। इसके बाद आपकी त्वचा लाइटें मारेगी।

चेहरा चमकाने के लिए क्या करें?

इस स्क्रब के फायदे
इस स्क्रब के फायदे

बता दें कि कच्चा दूध और नींबू का कॉम्बिनेशन त्वचा के लिए एक नेचुरल ब्लीच की तरह काम करता है। बता दें कि नींबू में मौजूद विटामिन सी और साइट्रिक एसिड कालेपन को कम करता है, जबकि कच्चा दूध रंगत को साफ करता है। इसे लगाने से चेहरे की टैनिंग कम होती है और त्वचा 'लाइटें मारने' लगती है।

इंडोर प्लांट की केयर में लोग करते हैं ये आम गलतियां, आज ही सुधारें

इंडोर प्लांट घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए काफी पसंद किए जाते हैं। लेकिन कई लोगों की शिकायत रहती है कि उनके प्लांट जल्दी सूख जाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है, पौधों की केयर करने में कुछ आम गलतियां जो अक्सर लोग करते हैं। चलिए जानते हैं इंडोर प्लांट की केयर की टिप्स।

आजकल घरों में इंडोर प्लांट्स लगाने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है।ये प्लांट न सिर्फ घर की खूबसूरती बढ़ाते हैं । बल्कि घर को एक साफ और शुद्ध हवा भी देते हैं। साथ ही ये पॉजिटिविटी नहीं होती है। ड्रॉइंग रूम हो, बेडरूम या ऑफिस डेस्क।।हर जगह ग्रीन प्लांट्स घर को एक फ्रेश और नेचुरल लुक देते हैं।लेकिन अक्सर देखा गया है कि कुछ लोग इंडोर प्लांट्स की सही देखभाल नहीं कर पाते। कई बार पौधे कुछ ही दिनों में मुरझाने लगते हैं, पत्तियां पीली हो जाती हैं या ग्रोथ रुक जाती है। ऐसे में लोग यह सोच लेते हैं कि शायद उनके घर का माहौल पौधों के लिए सही नहीं है, जबकि असल वजह कुछ आम लेकिन बड़ी गलतियां होती हैं, जो अनजाने में हम रोज़ कर रहे होते हैं।

अगर आप भी चाहते हैं कि आपके इंडोर प्लांट्स लंबे समय तक खूबसूरत बने रहें, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। यहां हम आपको कुछ ऐसी गलतियां बताने जा रहे हैं, जिन्हें करने से बचना चाहिए। इन गलतियों में सुधार करके आप अपने प्लांट को हरा-भरा रख सकते हैं।

1- जरूरत से ज्यादा पानी देना

इंडोर प्लांट्स खराब होने की सबसे बड़ी वजह ओवरवॉटरिंग है। कई लोग रोज़ पानी देना जरूरी समझ लेते हैं, जबकि हर पौधे की पानी की जरूरत अलग होती है। ज्यादा पानी देने से जड़ों में सड़न शुरू हो जाती है और पौधा धीरे-धीरे मुरझाने लगता है। बेहतर है कि पानी देने से पहले मिट्टी को उंगली से चेक कर लें।अगर मिट्टी ऊपर से सूखी लगे, तभी पानी दें।

2- गलत जगह पर पौधा रखना

हर इंडोर प्लांट को एक जैसी रोशनी नहीं चाहिए। कुछ पौधों को तेज धूप पसंद नहीं होती, तो कुछ को अच्छी

नेचुरल लाइट चाहिए। अक्सर लोग पौधों को अंधेरी जगह या सीधे तेज धूप में रख देते हैं, जिससे पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं। पौधे की किस्म के अनुसार उसकी जगह तय करना बहुत जरूरी है।

3- सही गमले और ड्रेनेज की अनदेखी

खूबसूरत गमले के चक्कर में लोग अक्सर ऐसे पॉट इस्तेमाल कर लेते हैं जिनमें नीचे छेद नहीं होता। इससे पानी बाहर नहीं निकल पाता और जड़ों में पानी जमा हो जाता है। इंडोर प्लांट के लिए ऐसा गमला चुनें जिसमें ड्रेनेज हो, ताकि एक्ट्रास पानी आसानी से निकल सके और पौधा स्वस्थ रहे।

4- पत्तियों की सफाई न करना

इंडोर प्लांट्स की पत्तियों पर समय के साथ धूल जम जाती है, जिससे पौधा ठीक से सांस नहीं ले पाता। कई लोग सिर्फ़ पानी देने पर ध्यान देते हैं, लेकिन पत्तियों की सफाई भूल जाते हैं। हफ्ते में एक बार गीले कपड़े से पत्तियों को हल्के हाथ से साफ करने से पौधे की ग्रोथ बेहतर होती है।

5- खाद और पोषण को नजरअंदाज करना

यह मान लेना कि इंडोर प्लांट्स को खाद की जरूरत नहीं होती, एक आम गलती है। लंबे समय तक बिना पोषण के पौधों की ग्रोथ रुक जाती है। महीने में एक बार हल्की मात्रा में जैविक खाद या लिक्विड फर्टिलाइजर देने से पौधे हरे-भरे और मजबूत बने रहते हैं।

1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर बंद हो सकती है कैश पेमेंट, पूरी तरह डिजिटल टोल सिस्टम लागू करने की योजना

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) देश भर के नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर 1 अप्रैल 2026 से नकद लेनदेन पूरी तरह बंद करने पर विचार कर रहा है। इस कदम से नेशनल हाईवे पर पूरी तरह डिजिटल टोलिंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। योजना लागू होने के बाद सभी टोल भुगतान केवल डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे, जिनमें फास्टैग या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन से मिली उपलब्धियों को मजबूत करना और टोल प्लाजा संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह बदलाव नेशनल हाईवे उपयोगकर्ताओं के लिए 'ईज ऑफ कम्यूटिंग को बेहतर बनाएगा। इससे लेन की क्षमता बढ़ेगी, टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी और टोल ट्रांजैक्शन में पारदर्शिता आएगी। देश में फास्टैग की पहुंच 98 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जिससे टोल संग्रह प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है। अधिकांश टोल ट्रांजैक्शन अब आरएफआईडी आधारित फास्टैग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से किए जा रहे हैं, जिससे टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही बिना रुकावट और संपर्क रहित तरीके से हो रही है।

एनएचएआई के अनुसार, नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर यूपीआई भुगतान की सुविधा भी शुरू कर दी गई है, जिससे यात्रियों को तुरंत और आसान डिजिटल भुगतान विकल्प मिल रहे हैं। वर्तमान में यदि कोई वाहन बिना वैध और सक्रिय फास्टैग के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे निर्धारित शुल्क का दोगुना लिया जाता है।

वहीं, जो उपयोगकर्ता यूपीआई के जरिए भुगतान करते हैं, उनसे निर्धारित वाहन श्रेणी के अनुसार 1.25 गुना शुल्क लिया जाता है। सरकार का कहना है कि केवल डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने से संचालन में दक्षता बढ़ेगी, ट्रैफिक प्रबंधन बेहतर होगा, देरी कम होगी और देश भर के 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा।

इस बीच, फास्टैग वार्षिक पास के उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक हो गई है। लॉन्च के छह महीनों के भीतर 26.55 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए हैं। यह वार्षिक पास 3,000 रुपए के एकमुश्त भुगतान पर एक वर्ष या 200 टोल पार करने तक मान्य होता है, जिससे बार-बार रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़ती।

रिटायरमेंट की टेंशन खत्म! पीपीएफ से बिना रिस्क बनाएं 1 करोड़ का फंड, हर महीने मिलेगी 61,500 रुपये की शानदार पेंशन

बुढ़ापे में पैसों की चिंता अमूमन हर इंसान को सताती है। लोग अक्सर सोचते हैं कि नौकरी के बाद उनका खर्च कैसे चलेगा और इसके लिए वे शेयर बाजार जैसे जोखिम भरे विकल्पों की ओर भागने लगते हैं। लेकिन अगर आप बिना कोई रिस्क उठाए एक सुरक्षित और तय आमदनी का मजबूत जरिया तलाश रहे हैं, तो सरकार की एक बेहद लोकप्रिय योजना आपकी सारी चिंताएं दूर कर सकती है। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ की। इस स्कीम में अनुशासित तरीके से किया गया लंबी अवधि का निवेश आपको न सिर्फ करोड़पति बना सकता है, बल्कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मूल रकम को सुरक्षित रखते हुए हर महीने एक मोटी और टैक्स-फ्री आमदनी का भी पक्का इंतजाम कर सकता है।

पीपीएफ ही क्यों है सुरक्षित भविष्य के लिए पहली पसंद

पीपीएफ दशकों से भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली लॉन्ग-टर्म सेविंग्स स्कीम बनी हुई है। इसे सीधे तौर पर सरकार का समर्थन प्राप्त है, जो इसे बाजार के सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में लाकर खड़ा कर देता है। आयकर अधिनियम की पुरानी व्यवस्था के तहत सेक्शन 80सी में निवेशकों को टैक्स छूट का लाभ मिलता है और सबसे बड़ी बात यह है कि मैच्योरिटी पर मिलने वाली पूरी रकम टैक्स-फ्री होती है। फिलहाल सरकार इस पर 7.1 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज दे रही है, जिसकी हर तिमाही समीक्षा की जाती है। हालांकि 1990 और 2000 के दशक की तुलना में अब ब्याज दरें कम हुई हैं, लेकिन गिरती ब्याज दरों के इस दौर में भी अन्य फिक्स्ड-इनकम वाले विकल्पों की तुलना में इसका टैक्स-फ्री रिटर्न सुरक्षित भविष्य चाहने वाले निवेशकों के लिए बेहद आकर्षक बना हुआ है।

खाते के संचालन और निवेश से जुड़े कुछ खास नियम

इस सरकारी योजना में निवेश के नियम बेहद सरल और स्पष्ट हैं। कोई भी नागरिक एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का निवेश कर सकता है। पीपीएफ खाते का लॉक-इन पीरियड 15 साल का होता है, लेकिन आप इसे अपनी सुविधानुसार आगे भी बढ़ा सकते हैं। 15 साल पूरे होने के बाद इसे पांच-पांच साल के ब्लॉक में हमेशा के लिए बढ़ाया जा सकता है। यह विस्तार नए निवेश के साथ या उसके बिना भी किया जा सकता है। अगर आप 15 साल बाद भी निवेश जारी रखना चाहते हैं, तो मैच्योरिटी के एक साल के भीतर आपको फॉर्म एच जमा करना अनिवार्य होता है। इस खाते में ब्याज की गणना हर महीने की 5 तारीख के बाद सबसे कम बैलेंस पर की जाती है, जो सालाना कंपाउंड होकर वित्तीय वर्ष के अंत में आपके खाते में जुड़ जाती है।

ऐसे तैयार होगा 1 करोड़ रुपये का मोटा फंड

करोड़पति बनने का गणित काफी सीधा है। अगर आप पीपीएफ खाते में हर साल अधिकतम सीमा यानी 1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और ब्याज दर 7.1 फीसदी बनी रहती है, तो 15 साल बाद आपके पास 40.68 लाख रुपये का फंड तैयार हो जाएगा। यदि आप इसे अगले पांच साल के लिए बढ़ाते हैं (यानी कुल 20 साल के लिए), तो यह रकम बढ़कर 66.58 लाख रुपये हो जाएगी। वहीं, दूसरे पांच साल के एक्सटेंशन के बाद यानी कुल 25 सालों के निरंतर निवेश के बाद आपका यह कॉर्पस बढ़कर 1.04 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को छू लेगा। इस तरह शुरुआती 15 साल की मैच्योरिटी के 10 साल बाद तक निवेश जारी रखकर आप एक करोड़ रुपये का लक्ष्य बड़ी ही आसानी से हासिल कर सकते हैं।

हर महीने 61,500 रुपये की आमदनी का यह है गणित

अब कल्पना कीजिए कि 25 साल बाद आपके पास 1.04 करोड़ रुपये का बड़ा फंड तैयार है। इसके बाद आप अपनी तरफ से पैसा जमा करना बंद कर देते हैं और सिर्फ इस पूरी रकम को पीपीएफ खाते में ही रहने देते हैं। 1.04 करोड़ रुपये पर 7.1 फीसदी की दर से आपको हर साल करीब 7.38 लाख रुपये सिर्फ ब्याज के तौर पर मिलेंगे। अगर इस सालाना ब्याज को 12 महीनों में बांट दिया जाए, तो यह रकम लगभग 61,533 रुपये प्रति माह बैठती है। इस पूरी प्रक्रिया की सबसे बड़ी खूबी यह है कि आपको मिलने वाली यह शानदार मासिक पेंशन केवल आपके ब्याज से आ रही होगी, जबकि आपका 1.04 करोड़ रुपये का मूलधन खाते में बिल्कुल सुरक्षित बना रहेगा।

रिटायरमेंट प्लानिंग और खाता खुलवाने की काम की बातें

सुरक्षित भविष्य के लिहाज से यह रणनीति इसलिए बेहद कारगर है क्योंकि इसमें आपकी पूंजी पूरी तरह सुरक्षित रहती है, नियमित आमदनी का जरिया बनता है और मैच्योरिटी राशि पर कोई टैक्स भी नहीं लगता है। लंबे समय तक जुड़े रहने से कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि) का शानदार फायदा मिलता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार यह खाता किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में खुलवा सकते हैं, दोनों ही जगहों पर नियम और रिटर्न एक समान रहते हैं। ऑनलाइन सुविधाओं के लिए बैंक और फिजिकल ब्रांच के लिए पोस्ट ऑफिस का चुनाव किया जा सकता है। हालांकि, निवेश करते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि 1.5 लाख रुपये की सालाना सीमा किसी भी हाल में पार नहीं की जा सकती। इसके अलावा 25 साल एक लंबी अवधि है, जिसमें ब्याज दरें बदल सकती हैं और महंगाई के असर के कारण भविष्य में 61,500 रुपये की वैल्यू आज जैसी नहीं रहेगी, इसलिए पूरी समझदारी और अनुशासन के साथ निवेश की शुरुआत करें।

इस्राइल पर अमेरिकी राजदूत के बयान पर भड़के इस्लामी देश, बयान जारी कर कहा- इससे तनाव बढ़ेगा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान रविवार को उन 13 अन्य देशों के साथ शामिल हो गया, जिन्होंने इजराइल में अमेरिकी राजदूत के बयान की निंदा की है। मामले में अमेरिकी राजदूत ने बाइबिल के उस विचार से सहमति जताई थी, जिसमें इजराइल को प्रमुख अरब इलाकों पर नियंत्रण करने का अधिकार बताया गया था।

अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने शुक्रवार को एक इंटरव्यू में यह बात कही। फॉक्स न्यूज के पूर्व एंकर टकर कार्लसन ने उनसे पूछा था कि क्या बाइबिल के अनुसार इराक की यूफ्रेट्स नदी और मिस्र की नील नदी के बीच का इलाका इजराइल का है। इस पर हकाबी ने जवाब दिया, ₹अगर वे (इजराइल) यह सब ले लें, तो यह ठीक रहेगा।₹ हकाबी इजराइल के कट्टर समर्थक माने जाते हैं।

इन देशों ने दी प्रतिक्रिया

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान, मिस्र, जॉर्डन, यूएई, इंडोनेशिया, तुर्की, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, बहरीन, लेबनान, सीरिया और फिलिस्तीन के विदेश मंत्रियों ने इस पर गहरा ऐतराज जताया है। इसके अलावा इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी), अरब लीग और गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने भी हकाबी के बयान की कड़ी आलोचना की है और चिंता जाहिर की है।

विदेश मंत्रियों ने कहा कि ऐसी खतरनाक और भड़काऊ बातें अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संयुक्त राष्ट्र के नियमों का खुला उल्लंघन हैं। इससे इस पूरे इलाके की सुरक्षा और स्थिरता को गंभीर खतरा हो सकता है। संयुक्त बयान में कहा गया कि ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोच और गाजा संघर्ष को खत्म करने की उनकी योजना के बिल्कुल उलट हैं। ट्रंप की योजना तनाव कम करने और फिलिस्तीनी लोगों के लिए एक आजाद देश बनाने का माहौल तैयार करने पर आधारित है।

बयान जारी कर किया विरोध प्रदर्शन

मंत्रियों का कहना है कि दूसरों की जमीन पर कब्जे को सही ठहराना शांति की कोशिशों को कमजोर करता है और माहौल को भड़काता है। मंत्रियों ने फिर से साफ किया कि कब्जे वाले फिलिस्तीनी इलाके या किसी दूसरी अरब जमीन पर इजराइल का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने वेस्ट बैंक पर कब्जा करने या उसे गाजा पट्टी से अलग करने की किसी भी कोशिश को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने फिलिस्तीनी इलाकों में बस्तियां बसाने का भी कड़ा विरोध किया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इजराइल अपनी विस्तारवादी नीतियां और गैर-कानूनी काम जारी रखता है, तो इससे हिंसा और टकराव ही बढ़ेगा। साथ, सभी देशों ने फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों और चार जून 1967 की सीमाओं के आधार पर एक स्वतंत्र फिलिस्तीन देश बनाने की अपनी मांग को दोहराया।

'छह जनवरी के बाद ट्रंप के खाते बंद किए', जेपीमॉर्गन बैंक का कोर्ट में कबूलनामा

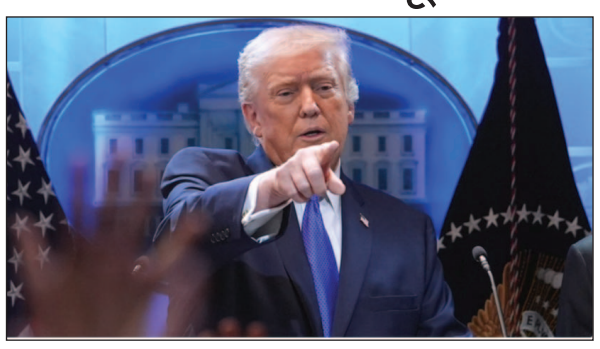

वॉशिंगटन, एजेंसी। छह जनवरी 2021 को अमेरिकी कैपिटल पर हुए हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के बैंक खातों को बंद किए जाने का मामला फिर चर्चा में है। जेपीमॉर्गन चेज ने पहली बार अदालत में स्वीकार किया है कि फरवरी 2021 में ट्रंप और उनकी कुछ कंपनियों के खाते बंद किए गए थे। यह स्वीकारोक्ति उस मुकदमे के दौरान सामने आई है जिसमें ट्रंप ने बैंक और उसके प्रमुख जेमी डाइमोन पर 5 अरब डॉलर का दावा ठोका है। ट्रंप का आरोप है कि उनके खाते राजनीतिक कारणों से बंद किए गए, जिससे उनके कारोबार को नुकसान हुआ। दायर हलफनामे में बैंक के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी डैन विल्कनिंग ने लिखा कि फरवरी 2021 में निजी बैंक और कमर्शियल बैंक से जुड़े कुछ खाते बंद करने की सूचना दी गई थी। अब तक बैंक केवल सामान्य तौर पर खाते बंद करने की नीतियों पर बात करता रहा था, लेकिन यह पहली बार है जब उसने सीधे तौर पर ट्रंप के खातों के बंद होने की पुष्टि की है। बैंक ने पहले कहा था कि यह मुकदमा बेबुनियाद है।

ट्रंप ने क्या आरोप लगाए

ट्रंप ने यह मुकदमा पहले फ्लोरिडा की अदालत में दायर किया था, जहां अब उनका मुख्य निवास है। उनका कहना है कि बैंक ने 'ट्रेड लाइबल' किया और फ्लोरिडा के अनुचित और भ्रामक व्यापार कानून का उल्लंघन किया। मुकदमे में आरोप है कि जब खाते बंद किए जा रहे थे, तब ट्रंप ने जेमी डाइमोन से व्यक्तिगत रूप से बात की थी और उन्होंने मामले को देखने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में कोई कार्रवाई नहीं हुई। ट्रंप के वकीलों ने आरोप लगाया है कि बैंक ने राष्ट्रपति और उनकी कंपनियों को एक 'ब्लैकलिस्ट' में डाल दिया। उनका कहना है कि इस सूची का उपयोग अन्य बैंक भी करते हैं। इससे भविष्य में नए खाते खोलने या सेवाएं लेने में दिक्कत आती है। वकीलों का दावा है कि इससे ट्रंप परिवार और उनके कारोबार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

डीबैंकिंग को लेकर फिर बहस तेज

यह मामला तथाकथित 'डीबैंकिंग' की बहस को फिर से तेज कर रहा है। डीबैंकिंग तब होता है जब बैंक किसी ग्राहक के खाते बंद कर देता है या उसे सेवाएं देने से मना कर देता है। पिछले कुछ वर्षों में यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले चुका है। कई रूढ़िवादी नेताओं का आरोप रहा है कि 6 जनवरी की घटना के बाद 'जोखिम' के नाम पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। जेपीमॉर्गन अब इस केस को न्यूयॉर्क स्थानांतरित कराने की कोशिश कर रहा है, जहां खाते संचालित होते थे। यह ट्रंप का किसी बड़े बैंक के खिलाफ पहला मामला नहीं है। मार्च 2025 में ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने क्रेडिट कार्ड कंपनी कैपिटल वन पर भी इसी तरह का मुकदमा दायर किया था, जो अभी लंबित है।

'संविधान मानिए, एकतरफा नहीं चल सकता टैरिफ', राष्ट्रपति ट्रंप को नील कात्याल की खुली चुनौती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए नए वैश्विक टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। मशहूर भारतीय-अमेरिकी वकील नील कात्याल ने ट्रंप के फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं और कहा है कि अगर राष्ट्रपति को इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाना है तो उन्हें संविधान के अनुसार कांग्रेस से मंजूरी लेनी चाहिए, न कि सिर्फ अपने अधिकारों का इस्तेमाल करके ऐसा करना चाहिए।

कात्याल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ट्रंप जिस कानून, ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122, का सहारा लेकर 15% तक का वैश्विक टैरिफ लगा रहे हैं, वह कानूनी तौर पर कमजोर आधार है। उन्होंने बताया कि पहले इसी मामले में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि यह धारा यहां लागू ही नहीं होती, क्योंकि व्यापार घाटा और भुगतान संतुलन घाटा दोनों अलग चीजें हैं। अब सरकार उसी धारा का इस्तेमाल कर रही है, जो खुद उसकी पहले की दलील से टकराता है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को किया रद्द

यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पुराने व्यापक टैरिफ को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने साफ कहा था कि टैक्स लगाने का अधिकार मुख्य रूप से कांग्रेस के पास होता है और राष्ट्रपति ने आईईईपीए कानून का गलत इस्तेमाल किया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने तुरंत नया रास्ता अपनाते हुए पहले 10% का वैश्विक टैरिफ लगाया, जिसे बाद में बढ़ाकर 15% कर दिया गया। ट्रंप ने इसे 'अस्थायी आयात शुल्क' बताया और कहा कि यह अमेरिका के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए जरूरी है।

कात्याल का कहना है कि अगर टैरिफ वाकई अच्छे और जरूरी हैं तो सरकार को कांग्रेस को मनाकर कानून के जरिए मंजूरी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान भी यही प्रक्रिया बताता है। इस विवाद का सबसे बड़ा मुद्दा यही है कि क्या व्यापार घाटे को भुगतान संतुलन घाटा माना जा सकता है - जबकि आर्थिक और कानूनी विशेषज्ञ इसे अलग-अलग मानते हैं।

IMF की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने किया कात्याल का समर्थन

इस बहस को और वजन तब मिला जब अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्री और आईएमएफ की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी गीता गोपीनाथ ने भी कात्याल की बात का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि कात्याल 'इंटरनेशनल इकॉनॉमिक्स की बुनियादी बात' समझा रहे हैं और सरकार का तर्क आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर लगता है।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर पड़ सकता है असर

इस बीच, इस फैसले का असर भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों पर भी पड़ सकता है। अमेरिकी अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि भारत समेत सभी देशों पर यह नया टैरिफ लागू होगा, जब तक कोई नया समझौता नहीं हो जाता। भारत सरकार ने कहा है कि वह इस पूरे घटनाक्रम का अध्ययन कर रही है और उसके असर का आकलन किया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर में सेना का एक्शन, किश्तवाड़ में जैश-ए-मोहम्मद का टॉप कमांडर मुठभेड़ में ढेर, 2 घायल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकियों मुठभेड़ हुई है। इस दौरान भारतीय सेना और SOG किश्तवाड़ नेमुठभेड़ के बीच जैश-ए-मोहम्मद के टॉप कमांडर को मार गिराया है। जबकि दो आतंकी घायल बताए जा रहे हैं। फिलहाल सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

किश्तवाड़ जिले के छातरू क्षेत्र में रविवार को सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। भारतीय सेना और एसओजी किश्तवाड़ की संयुक्त टीम ने इलाके में आतंकियों को घेर लिया है। दोनों तरफ से जमकर गोलीबारी हुई। इसी बीच सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को मार गिराया। जबकि दो आतंकी गोली लगने से घायल हुए हैं। सभी आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े बताए जा रहे हैं। वहीं सेना द्वारा पूरे इलाके में ड्रोन और हेलीकॉप्टर के जरिए भी कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

36 दिनों से किश्तवाड़ के जंगलों में चल रहा अभियान

सूत्रों के मुताबिक, पिछले 36 दिनों से किश्तवाड़ के जंगलों में लगातार आतंक विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के दौरान अब तक जैश का कुख्यात आतंकी आदिल मारा जा चुका है, जबकि 10 लाख का इनामी आतंकी सैफुल्ला और उसके दो साथी अभी भी जंगलों में छिपे हुए थे। मारा गया जैश का टॉप कमांडर 10 लाख का इनामी आतंकी सैफुल्ला बताया जा रहा है। फिलहाल सेना ने इसकी पुष्टि नहीं की है। इलाके में ऑपरेशन जारी है और सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

कई इलाकों मोबाइल सेवाएं अस्थायी रूप से बंद

ताजा मुठभेड़ के बाद छातरू के पासरकुट समेत पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है और तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार मुठभेड़ में एक आतंकी के घायल होने की भी सूचना मिली है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। एहतियात के तौर पर किश्तवाड़ के छातरू, सिंहपुरा, चिंगम और कौशल इलाकों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं, ताकि आतंकी इंटरनेट के जरिए किसी से संपर्क न कर सकें। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद का टॉप कमांडर मारा गया है। जबकि उसके दो साथी घायल हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

असम में चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका : भूपेन बोरा भाजपा में शामिल, बताई पार्टी छोड़ने की वजह

गुवाहाटी। असम में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। राज्य में कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भाजपा में शामिल हो गए हैं। गुवाहाटी में रविवार को भूपेन कुमार बोरा ने भाजपा की सदस्यता ली। यह कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश मुख्यालय वाजपेयी भवन में आयोजित किया गया। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया और सांसद बैजयंत पांडा भी मौजूद रहे। भूपेन बोरा के साथ कांग्रेस के पूर्व कार्यकर्ता संजू बोरा भी भाजपा में शामिल हुए।

भूपेन बोरा ने 16 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। कई वरिष्ठ नेता उनसे मिलने उनके घर पहुंचे और राहुल गांधी ने भी उनसे फोन पर बात की थी। बोरा ने अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए समय मांगा था।

इसके अगले ही दिन मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा उनके घर गए। मुलाकात के बाद सरमा ने घोषणा की कि भूपेन बोरा 22 फरवरी को भाजपा में शामिल होंगे। इस घोषणा के बाद असम की राजनीति में अटकलों का दौर समाप्त हो गया।

कांग्रेस में अपमान का लगाया आरोप

भाजपा में शामिल होने के बाद भूपेन बोरा ने कांग्रेस में अपने साथ हुए व्यवहार पर दुख जताया। उन्होंने कहा, 'मैंने कांग्रेस पार्टी को 32 साल दिए। कांग्रेस ने मुझे विधायक से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक बनाया।' उन्होंने बताया कि कैसे पार्टी में उन्हें अपमानित महसूस हुआ। बोरा ने कहा, 'मैंने गठबंधन के लिए बातचीत शुरू की थी। गौरव गोगोई ने कहा कि अकेले मत जाओ, रकीबुल हुसैन को भी साथ ले जाओ। लेकिन बाद में गौरव गोगोई ने घोषणा कर दी कि भूपेन बोरा ने गलतफहमी पैदा की है। मैंने उनसे पूछा कि उन्होंने सबके सामने मेरा अपमान क्यों किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।'

आने वाले चुनाव पर पड़ेगा असर

भूपेन बोरा ने यह भी बताया कि जब वह 2021 में अध्यक्ष बने थे, तब कांग्रेस का एआईयूडीएफ के साथ गठबंधन था, जिसे उन्होंने तोड़ा था। बाद में उन्होंने इंडिया गठबंधन बनने से पहले 16 दलों के साथ साझेदारी की थी। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल मार्च-अप्रैल में चुनाव होने की उम्मीद है।

नामी बॉलीवुड डायरेक्टर के साथ अगली फिल्म करेंगे विजय वर्मा, शेयर की पोस्ट, लिखा- बहुत उत्साहित हूं

विजय वर्मा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' को बॉक्स ऑफिस पर मनचाही सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद उनके पास बड़े मेकर्स के ऑफर आ रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि वह एक नामी डायरेक्टर के साथ नया प्रोजेक्ट करने वाले हैं? कौन है वो डायरेक्टर?

शनिवार को विजय वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक जानकारी साझा की। जिसमें उन्होंने अपने अपकमिंग फिल्म प्रोजेक्ट के बारे में बताया। एक्टर ने एक कैप्शन भी लिखा, 'इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।' आखिर किस डायरेक्टर की फिल्म का हिस्सा बन रहे हैं विजय वर्मा?

विजय वर्मा फरहान अख्तर के साथ करेंगे अगला प्रोजेक्ट

जल्द ही विजय वर्मा, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ काम एक प्रोजेक्ट करने वाले हैं। विजय वर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी से मिले एक कार्ड की तस्वीर शेयर की। एक्टर ने प्रोजेक्ट का नाम थोड़ा छिपाकर रखा। लेकिन इस प्रोजेक्ट को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं, इस बात का जिक्र विजय वर्मा ने किया है।

इन फिल्मों में भी नजर आएंगे विजय वर्मा

विजय वर्मा के पास कई और फिल्में हैं। वह 'मटका किंग' नाम की एक फिल्म कर कर रहे हैं। इसके अलावा वह एक और फिल्म 'फैमिली बिजनेस' कर रहे हैं, इसमें अनिल कपूर भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह 'लस्ट स्टोरी 3' में भी दिखाई देंगे।

निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में विजय वर्मा?

बड़े पर्दे पर 'गुस्ताख इश्क' जैसी फिल्म साथ करने वाले विजय वर्मा और फातिमा सना शेख असल जिंदगी में भी प्यार में गुस्ताखियां कर रहे हैं। इनके रिलेशनशिप में होने की खबरें, अफवाहें लगातार सामने आ रही हैं। दोस्तों की पार्टी, अवॉर्ड फंक्शन में दोनों को साथ देखा गया है। अपने इश्क का इजहार दोनों ने अब तक दुनिया के सामने नहीं किया है।

मानसा वाराणसी ने किसिंग सीन पर दी अपनी प्रतिक्रिया

मानसा वाराणसी ने किसिंग सीन पर रिएक्ट किया। मानसा वाराणसी ने हाल ही में संतोष सोभन की फिल्म कपल फ्रेंडली में अपनी परफॉर्मेंस से सभी को इम्प्रेस किया।

फिल्म में इंटिमेट और किसिंग सीन थे। जब उनके बारे में पूछा गया, तो मानसा वाराणसी ने इस तरह रिएक्ट किया। मानसा से पूछा गया, इस मूवी में किसिंग सीन हैं, है ना? आप किस को कैसे डिफाइन करेंगी? पहले तो वह सवालों की लाइन सुनकर कन्फ्यूज्ड लग रही थीं। फिर होश संभालते हुए उन्होंने ताने वाले लहजे में जवाब दिया, इसे छोटा और सिंपल रखें, जिसे छोटा करके 'किस' भी कहा जा सकता है। इस जवाब से उनके को-स्टार संतोष सोभन हंस पड़े और वह ताली बजाने लगे, जबकि मानसा मुस्कुराते हुए रिपोर्टर को घूरती रहीं।

फैंस ने इस तरह रिएक्ट किया। वीडियो शेयर करते हुए एक इंस्टाग्राम यूज़र ने लिखा, एक अजीब सवाल को छक्के में बदलना। दूसरे ने कमेंट किया, इसीलिए वह मिस इंडिया है, एक पेजेंट्री टाइटल होल्डर, वे इस तरह के सवालों का जवाब देने के लिए अच्छी तरह से ट्रेंड और मजाकिया हैं। एक ने तो यह भी लिखा, हाहाहा। अब इसे रोस्टिंग कहते हैं! एक एक्स (पहले ट्विटर) यूज़र ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, मानसा वाराणसी >>> एसएसआर वाराणसी । एक और ने मज़ाक में कहा, कोई हैरानी नहीं कि वह महेश की फैन है, अब्बाबा टाइमिंग और वन लाइन पंच।

टॉक्सिक का टीजर रिलीज, राया रूप में छाए यश, दिखाया अपना सबसे खौफनाक और क्रूर अवतार

गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की हुई टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स ने अपने इंट्रो वीडियो से ही दर्शकों को दीवाना कर दिया था। लेकिन अब इसके टीजर ने लोगों का एक्साइटमेंट लेवल हाई कर दिया है। जी हां, मेकर्स ने टॉक्सिक का टीजर रिलीज किया। टीजर में यश के किरदार ने सभी का दिल जीत लिया है।

मेकर्स ने 5 भाषाओं के साथ टॉक्सिक का टीजर जारी किया। इसे सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, यह पागल कर देगा। इसे दर्शकों से मिले-जुले रिस्पॉन्स मिले हैं। जहां कुछ को यह पसंद आया है, वहीं कुछ निराश हैं।

टीजर की शुरुआत यश के राया से होती है, जिसे बताया जाता है कि इस बार का जंग अलग है और उनकी मक्कारी भी अलग है। इस बीच इसमें कई लड़ाइयों और हाथापाई का मोंटाज भी आता है। फिर हीरो के हाथ-पैर काटते, सिर फोड़ते और गुंड़ो को पीट-पीटकर अधमरा करते हुए शॉट्स दिखाए जाते हैं।

टीजर में फिल्म के विलेन की भी झलक दिखाई गई है। ऐसा लग रहा है कि फिल्म में यश हीरो के साथ-साथ विलेन का भी किरदार निभा रहे हैं। टीजर के आखिरी में यश को क्लिन शेव में देखा गया है, जो आखिर में राया को चुनौती देने आता है, मैं घर आ गया हूं, डैडी। टीजर को यश के फैंस से शुरुआती तौर पर काफी पॉजिटिव रिएक्शन मिले।

एक ने यश के लुक पर कमेंट करते हुए लिखा है, यश का बिना दाढ़ी के होना अनएक्सपेक्टेड था। एक ने लिखा है, फर्स्ट डे, फर्स्ट शो। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा है, यह टीजर नहीं, वॉर्निंग नोटिस है।

गीतू मोहनदास की डायरेक्ट की हुई टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश के साथ रुक्मिणी वसंत, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर भी अहम रोल में हैं। यश और गीतू ने मिलकर इस फिल्म को लिखा है।

कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट की गई यह फिल्म 19 मार्च को थिएटर में रिलीज़ होगी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक, धुरंधर 2 से क्लैश होगी। यह इस साल की बॉक्स ऑफिस पर हुए सबसे हाई-प्रोफाइल पैन-इंडिया क्लैश में से एक होने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com